Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 246 | मंगलवार, 15 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

संवैधानिक संस्था में सामान्य नागरिक का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत: मुख्यमंत्री

लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संवैधानिक संस्था में सामान्य नागरिक का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। जो संस्था आमजन के विश्वास पर खरा उतरेगी, लोकतंत्र में उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता और न ही कोई उसके महत्व को कम करके आंक सकता है। गुड गवर्नेंस पब्लिक ट्रस्ट पर निर्भर करता है। यदि जनता का विश्वास नहीं है तो हम सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। इसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास के साथ गौरव की अनुभूति कर सके।

मुख्यमंत्री सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोक आयुक्त प्रशासन की स्मारिका व सूचना पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही 50 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी व लघु फिल्म भी देखी। सीएम ने कहा कि आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, जनता दर्शन आदि के जरिये जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान कराया जाता है। हालांकि कुछ लोग अनावश्यक शिकायत भी लेकर आते हैं, बताते हैं कि मेरी व्यक्तिगत समस्या नहीं है, लेकिन किसी के खिलाफ शिकायत करनी है। यदि हम प्रमाण मांगते हैं तो आनाकानी भी होती है। एक अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सज्जन ने एक विद्यालय के खिलाफ शिकायत की। जांच में शिकायत झूठी निकली तो उन्होंने कहा कि पूरे जिले के विद्यालयों की जांच की जाए। ऐसी झूठी शिकायतों को खारिज किया जाना चाहिए। ऐसी शिकायतें सिस्टम का और न्याय पाने के अभिलाषी ईमानदार व्यक्ति का समय खराब करती हैं। शिकायत प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले तत्वों से दूरी बनानी चाहिए। किसी संस्था को विश्वास के प्रतीक के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी गर्व व गरिमा के साथ विश्वास व्यक्त करे कि मेरी समस्या का समाधान होगा। संस्थाओं को मिले अधिकारों का दुरुपयोग न हो, इसे ध्यान में रखकर मेरिट तय हो और अनावश्यक शिकायत करने वालों पर शिकंजा भी कसा जाए।

सत्य की कसौटी है न्याय का आधार

सीएम ने कहा कि संविधान निमाताओं ने न्याय, सत्य और समता को भारत की मौलिक आवश्यकता बताते हुए उल्लेख किया कि हर व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है। न्याय का आधार सत्य की कसौटी है। हर व्यक्ति को बिना भेदभाव समभाव से देखा जाए। शिकायत का मेरिट के आधार पर समाधान और शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर जोर होना चाहिए।

जनविश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी

सीएम ने कहा कि संस्था के गठन मात्र से समस्या का समाधान नहीं होता। जन-विश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है। संविधान निमाताओं ने भारत की व्यवस्था के लिए संसदीय लोकतंत्र दिया। यदि जनप्रतिनिधि ने विश्वास खोया तो सरकार गई। हर पांच साल में उन्हें जनता के बीच जाना पड़ता है। यदि जनप्रतिनिधि जनभावना का सम्मान नहीं कर पाता है तो जनता को पूरा अधिकार है कि वह प्रतिनिधि को बदलकर दूसरों को मौका दे। नए स्थान तलाशें

तकनीक के कारण अब पीडीएस की शिकायत नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक आयुक्त संगठन ने टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया है। उन्होंने बताया कि 2017 में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में सबसे अधिक शिकायत खाद्यान्न वितरण की आती थी। जनता दर्शन में 100 में से 60 शिकायतें पीडीएस की होती थी। इससे परेशान होकर लगातार हम बैठक करते थे, फिर हमने तकनीक का प्रयोग किया। ई-पॉस मशीन लगाकर उसे मुख्यालय पर स्क्रीन लगाकर जोड़ दिया। इसके बाद यदि 80 हजार राशन कोटे की दुकानों में किसी ने कुछ इधर-उधर किया तो तुरंत अलर्ट आ जाता है। इससे हेराफेरी की गुंजाइश शून्य हो गई। आज जनता दर्शन में 500 लोग आते हैं, लेकिन एक भी शिकायत इससे जुड़ी नहीं होती। सरकार बिना भेदभाव 16 करोड़ लोगों को राशन दे रही है। सिंगल डिलीवरी के मामले भी सुनिश्चित किए गए हैं। अब एफसीआई गोदाम से ट्रक को गंतव्य तक पहुंचने के दौरान उसे ट्रैक भी किया जाता है। अब राशन वितरण भी समुचित ढंग से होता है।

टेक्नोलॉजी दिलाएगी शिकायतों के अंबार से मुक्ति

सीएम ने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग कर शिकायतों के अंबार का समाधान निकाल सकते हैं। ऐसे प्रयास जनविश्वास के प्रतीक बनेंगे। हो सकता है कि लोकसेवक को बचाने का प्रयास होता है, लेकिन शिकायत जब लोक आयुक्त संगठन के पास जाती है तो वह मेरिट के आधार पर समाधान निकालता है। कई बार जब व्यक्ति को ताकत मिलती है तो वह उदंडतापूर्ण व्यवहार करने लगता है, उस पर अंकुश जरूरी है। लोकसेवक के लिए आवश्यक है कि उसे मूल्यों की रक्षा के अहसास और नैतिकता के साथ जोड़ा जाए। संविधान के निर्माण के पीछे निमाताओं का यही भाव था।

साढ़े 9 साल में 34 लाख राजस्व मामलों का निस्तारण

सीएम ने राजस्व विभाग के मामलों का भी जिक्र किया। कहा कि 2017 में भूमि संबंधी विवाद, पैमाइश, वरासत, नामांतरण से जुड़े 34 लाख मामले लंबित थे। इससे अनावश्यक विवाद होते थे। केवल वरासत से जुड़े लगभग छह लाख मामले लंबित थे। सभी के निस्तारण की समयसीमा तय की गई। तय किया गया कि लैंड यूज की समस्या का समाधान 30 दिन में नहीं हुआ तो इसे डीम्ड मान लिया जाएगा यानी गलत होने पर निस्तारण करने वाले की जवाबदेही तय होगी। साढ़े 9 साल में 34 लाख मामले का निस्तारण हुआ, लेकिन 9 साल में 9 लाख और मामले भी सामने आए। वरासत, पैमाइश आदि की समस्याओं का समाधान किया गया। सरकार बिना भेदभाव 16 करोड़ लोगों को राशन दे रही है।

गुरुग्राम में कार पार्किंग विवाद: पूर्व वायुसेना अधिकारी पर लोहे की रॉड से हमला, प्राथमिकी दर्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुग्राम के 'मैग्नम ग्लोबल पार्क' में एक पार्किंग कर्मचारी ने कारगिल युद्ध में शामिल रहे एक सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन पर कथित तौर पर लोहे की 'रॉड' से हमला कर दिया, जिससे पूर्व सैन्य अधिकारी के सिर में गंभीर चोट आई और उनकी कोहनी की हड्डी टूट गई। पुलिस ने बताया कि पूर्व सैन्य अधिकारी अमित कुमार गुप्ता 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' दल का हिस्सा थे। गुप्ता ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार की घटना के बाद अस्पताल में तैयार की गई चिकित्सकीय-कानूनी (एमएलसी) रिपोर्ट गलत है और इसमें उनके सिर से खून बहने तथा कोहनी में लगी चोट का जिक्र नहीं किया गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें पुलिस से भी कोई मदद नहीं मिल रही। पुलिस ने बताया कि सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन ने सेक्टर-65 थाने में शिकायत दर्ज कराई है और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला पार्किंग को लेकर हुए कथित विवाद से जुड़ा है।

गुप्ता बृहस्पतिवार रात अपने परिवार के साथ रात्रिभोज के लिए मैग्नम ग्लोबल पार्क स्थित गोंजो रेस्तरां गए थे। गुप्ता ने बताया कि रात करीब आठ बजे वह अपने परिवार को रेस्तरां में छोड़कर कार खड़ी करने के लिए गए थे। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि पार्किंग कर्मचारियों ने उन्हें पहले 'वैले पार्किंग' स्थल (वह जगह जहां कर्मचारी वाहन लेकर उसे निर्धारित स्थान पर खड़ा करते हैं), फिर भूमिगत पार्किंग स्थल और उसके बाद बहुमंजिला पार्किंग की ओर भेजा।

भारतीय भाषाओं के बीच संवाद और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है हिन्दी : अमित शाह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि हिन्दी किसी भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच आत्मीय संवाद और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। श्री शाह ने हिन्दी दिवस पर अपने संदेश में सोमवार को कहा कि हिंदी का विकास तभी सार्थक है, जब वह सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोकपरंपरा और जीवन-दृष्टि लेकर चलती है। हिंदी ने इसी विविधता के बीच संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में देश के विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गृह मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा के विचारों ने राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। स्वतंत्रता के बाद भी भारतीय भाषाएं राष्ट्र निर्माण, प्रशासन और विकास को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनीं। संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति मातृभाषा को शिक्षा के केंद्र में रखती है। अब इंजीनियरिंग और चिकित्सा की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में हो रही है और प्रतियोगी परीक्षाएं भी अनेक भारतीय भाषाओं में आयोजित की जा रही हैं। श्री शाह ने कहा कि तकनीक के युग में हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाएं तकनीकी विकास का स्वर्णिम युग देख रही हैं।

भारत के साथ रिश्तों में सुधार का संकेत, चीन ने छअउ पर कम की सैनिकों की संख्या

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन ने 2025 में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर अपनी पीपल्स लिबरेशन आर्मी की तैनाती में काफी कमी की है। मंत्रालय ने कहा कि इस साल भारत की उत्तरी सीमाओं के सामने पीएलए की तैनाती में काफी कमी देखी गई।

मंत्रालय के मुताबिक, एलएसी के साथ वाले इलाकों और पारंपरिक ट्रेनिंग एरिया में कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की 10 टुकड़ियां तैनात रहीं। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि एलएसी के सभी सेक्टरों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत, अच्छी स्थिति में और किसी भी अचानक पैदा होने वाली स्थिति से निपटने के लिए तैयार रही।

चीनी सैनिकों की तैनाती में यह कमी भारत और चीन के बीच बढ़ते राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य संपर्क के बीच आई है। मंत्रालय का कहना है कि इससे उत्तरी सीमाओं पर ज्यादा स्थिरता लाने में मदद मिली। इस साल भारत और चीन ने बातचीत के कई तरीकों को फिर से शुरू किया।

वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन के 33वें और 34वें दौर की बैठकें क्रमशः मार्च और जुलाई 2025 में हुईं। सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत भी फिर से शुरू हुई, जिसके दौर दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुए।

मंत्रालय ने कहा कि अगस्त 2025 में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में सुधार को और मजबूती मिली। सैन्य स्तर पर भी बातचीत जारी रही, जिसमें 25-26 अक्टूबर 2025 को पूर्वी लद्दाख में हुई 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक भी शामिल है। मंत्रालय ने कहा, 'चिंता के मुद्दों को सुलझाने के लिए सभी सेक्टर में पीएलए के साथ बॉर्डर पर्सनल मीटिंग्स (सीमा पर अधिकारियों की बैठकें) सौहार्दपूर्ण और दोस्ताना माहौल में जारी हैं।'

राहुल गांधी पर सीएम मोहन यादव के बयान पर जीतू पटवारी का पलटवार, गरिमा बनाए रखने की नसीहत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दिए गए बयानों पर पलटवार किया और उनसे विपक्ष के नेताओं के बारे में बात करते समय मयार्दा बनाए रखने को कहा। रविवार को आगर मालवा में 'लाड़ली बहना योजना' की किस्त ट्रांसफर करने के एक कार्यक्रम के दौरान, सीएम यादव ने राहुल गांधी और उनके परिवार की राजनीतिक विरासत की आलोचना की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 19 सितंबर को इंदौर में अपने 'छात्रों की गूंज' अभियान से पहले, एक नेता इस इलाके का दौरा कर रहे हैं और अपने साथ 'झूठ की गूंज' ला रहे हैं। इन बयानों का जवाब देते हुए पटवारी ने कहा कि विपक्ष के नेता द्वारा शिक्षा की सुरक्षा और देश की संवैधानिक व प्रशासनिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों को उठाने को किसी की आलोचना करने की कोशिश के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी, मैंने पहले भी आपसे कहा था कि देश में शिक्षा की सुरक्षा की सामूहिक ज़िम्मेदारी पर चर्चा हो रही है और राहुल गांधी देश में एक संवैधानिक पद पर हैं। अगर वह यह चर्चा उठाते हैं, तो इसका मतलब है कि उनमें देशभक्ति और राष्ट्रीय हित की चिंता की भावना है। यह किसी की आलोचना करने की कोशिश नहीं है। लेकिन मुख्यमंत्री जी, आपने जो भाषा इस्तेमाल की... अगर राजीव गांधी ने कुछ नहीं किया होता, तो आपकी जेब में यह मोबाइल फोन नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा कि इंदिरा गांधी हरित क्रांति और श्वेत क्रांति लेकर आईं और देश के लिए अपनी जान दे दी। अटल जी ने उन्हें दुर्गा का खिताब दिया था। इसलिए, ऐसी बातें कहकर आप अटल जी का भी अपमान कर रहे हैं।'

राजस्थान में चौंक गई बीजेपी , कांग्रेस ने नगर निकाय चुनाव में किया खेल!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान नगर निकाय चुनाव 2026 की वोटों के गिनती और जारी है। अंतिम रुझान सामने आ चुके हैं। 309 शहरी निकायों के 10167 वार्डों का फैसला हो रहा है और जो तस्वीर निकल कर आ रही है, उन्होंने बड़े-बड़े सियासी दिग्गजों के होश उड़ा दिए हैं। 9 और 11 सितंबर को हुई वोटिंग में 74% से ज्यादा वोट पड़े थे और आज ईवीएम खुलते ही साफ नजर आया कि शहर की सत्ता की चाबी बीजेपी के पास रहेगी और यह मरुधर की मिनी महासंग्राम में उसका डंका काबिज रहेगा। तो वहीं कांग्रेस ने बड़ा उलटफेर कर दिया है सबसे चौंकाने वाली बात मुख्यमंत्री से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री के गृह जिलों में ही बड़ा खेल हो गया है। बड़ी तस्वीर राज्य के 8700 से ज्यादा वार्डों के परिणाम और रुझान आ चुके हैं। आपको बता दें कि चुनाव परिणाम आने से पहले ही 77 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे। जिनमें बीजेपी के 44, कांग्रेस के 16 और 17 निर्दलीय शामिल थे। यानी शुरूआती बढ़त पहले ही बीजेपी के खाते में आ गई थी। लेकिन जैसे-जैसे ईवीएम खुली और मुकाबला आगे बढ़ा वह बेहद दिलचस्प हो गया। अब बात करते हैं उन वीवीआईपी वीआईपी शहरों की जहां साख दांव पर लगी थी। सबसे पहले बात कर लेते हैं लेक सिटी उदयपुर की। 80 सदस्यों वाले उदयपुर नगर निगम में बीजेपी ने क्लीन स्वीप जैसी स्थिति बना ली है। 53 वार्डों में वह वहां जीत चुकी है। जीत जा दर्ज कर ली है और स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। जबकि कांग्रेस सिर्फ 23 सीटों पर सिमट गई है। अगर बीजेपी उदयपुर में उलटफेर और कंफर्टेबल जीत रही थी तो अजमेर और पाली में कांग्रेस ने बाजी पलट दी है। 80 वार्डों वाले अजमेर नगर नगर निगम में कांग्रेस 37 सीटें जीत जीत चुकी है। जबकि बीजेपी 32 पर ही रह गई। वहीं पाली नगर निगम में भी कांग्रेस ने 29 सीटें जीतकर बीजेपी को पछाड़ दिया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि पाली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का गृह क्षेत्र है और वहां कांग्रेस की बढ़त बीजेपी के लिए एक बड़ा अलार्म है। भरतपुर की जो सीएम भजन लाल शर्मा का गृह जिला है। यहां जो नतीजा आया है उसने सबको चौक हैरान कर दिया है। भरतपुर के 65 वार्डों में से निर्दलीय 32 से 36 सीटों पर या तो जीत दर्ज कर ली है या वो आगे चला है। बीजेपी को यहां सिर्फ 20 और कांग्रेस को महज सात सीटें मिलती नजर आ रही हैं। यानी सीएम के अपने इलाके में निर्दलीयों ने दोनों बड़ी पार्टियों का गेम बिगाड़ दिया है। इतना ही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के गढ़ में भी कांग्रेस ने बड़ा उलटफेर किया है। झालावाड़ में कांग्रेस ने बड़ा खेल कर दिया है और अपना बोर्ड बना लिया है। झालावाड़ के 45 वार्डों में से 29 में कांग्रेस ने प्रचंड जीत हासिल की है। जबकि बीजेपी सिर्फ 13 सीटों पर सिमट गई है या 13 वार्डों में जीत रही है और दो पर निर्दलीय जीत रहे हैं और एक सीट पर आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की है।

मोदीनगर तलहेटा ग्राम में, माँ पीताम्बरा बगलामुखी 9 दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गाजियाबाद। मोदीनगर के तलहेटा स्थित सिद्धपीठ टिक्की वाले बाबा मंदिर में माँ पीताम्बरा बगलामुखी के 9 दिवसीय महायज्ञ का सोमवार को विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। महायज्ञ के प्रथम दिन मुख्य यजमान नरेश त्यागी और उनकी धर्मपत्नी रहीं। गुरुदेव महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में डासना देवी मंदिर से महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने भक्तों को माँ बगलामुखी की महिमा और महायज्ञ के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महायज्ञ का संकल्प सनातनियों को सद्बुद्धि, विवेक और साहस प्रदान करने, परिवारों की रक्षा तथा सनातन धर्म के संरक्षण और उत्थान का है। साथ ही अधर्म, अन्याय, अत्याचार और नकारात्मक शक्तियों के शमन तथा धर्म, सत्य और न्याय की विजय की कामना की गई। महाराज ने युवाओं से सनातन धर्म की रक्षा के लिए हिंदू परिवारों में कम से कम पांच बच्चों के जन्म का आह्वान किया। महायज्ञ 22 सितंबर तक चलेगा। 22 सितंबर को पूणार्हुति और विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

संपादक की कलम

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

ललित शर्मा
संपादक

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए 'मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं' को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- 'मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।' गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ 'लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।' यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है।

काश ! तुँ समझ पाती मेरा प्यार

उदय कशोर साह

कविता

ओ री चन्दा तेरी खूबसूरत चाँदनी की नजारा
बना दिया मुझको एक पागल सा बनजारा
संगमरमर जैसी श्वेत तेरी ये। नाजुक काया
हुस्न की मल्लिका तेरी तन, मेरे मन को भाया

दरिया की चंचल दर्पण में मैं जब तुम्हें निहारु
अपनी दुल्हन की तुममें अक्स को मैं देख पाऊँ
हलचल जब होती है दरिया की पानी की बहाव
टूट जाती है मेरे कल्पना मेरी मन की खवाब

काश ! तुम मेरे बाँहों में इस साहिल पे। होती
तेरी जुल्फों में छुप जाता और सवेरा ना उठाती
जब से हुआ है सनम तेरी सूरत की हमें दीदार
मन में उठी है मेरे जज्बातों की सच्ची प्यार

रात की रानी देखों क्यां कह रही है। हरसिंगार
आ जाओ इस पागल प्रेमी के मन की द्वार
कर दूँ तुमको मैं दुल्हन की सोलह श्रृंगार
अपना बना तुम्हें बसा लूँ चन्द्रलोक में घर बार

कोरे कागज पे लिखा लो तुम प्यार की इकरार
मेरे प्यार को ना समझना कोरे ख्वाब का सार
भर दूँगा तेरे माँग में सिन्दूर हर जीवन में यार
काश ! तुँ समझ पाती मेरे दिल की ये प्यार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

इंजीनियरिंग के कल से आज और आज से कल तक

प्रो. आरके जैन
लेखक

हर युग अपनी पहचान अपने निमार्णों से छोड़ता है; लेकिन आने वाला समय यह पूछेगा कि इन निमार्णों ने इंसान की जिंदगी को कितना बेहतर बनाया। पुराने इंजीनियरों ने सड़कें, बाँध, रेल और कारखाने बनाए; नई पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल दुनिया रच रही है। कभी उसके हाथ में मिट्टी, पत्थर और लोहा था, आज डेटा, एल्गोरिद्म और स्क्रीन हैं। साधन बदल गए, जिम्मेदारी वही है-तकनीक जीवन आसान बनाए, इंसान को उसका गुलाम नहीं। इंजीनियर्स डे केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। हर नए निर्माण से पहले सवाल होना चाहिए-'क्या यह केवल बन सकता है, या बनना भी चाहिए?' क्योंकि राष्ट्र की वास्तविक प्रगति निमार्णों की ऊँचाई से नहीं, लोगों के सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन से मापी जाती है। पुराने इंजीनियरों का समय कम चमकीला था, शायद इसलिए उनमें चमक अधिक थी। वे नदी के किनारे उसकी चाल समझते, खेतों की धूल में उतरते, पहाड़ काटते और नींव में जाकर देखते थे कि धरती कितना भार सह सकती है। उनकी गणना में बारिश, पानी, मिट्टी और भार का हिसाब होता था; ठेकेदार का कमीशन नहीं। वे सड़क बनाते थे तो श्रेय सड़क को देते थे, खुद को नहीं। उनकी डायरी में आँकड़े थे, आत्मप्रचार नहीं। राष्ट्र उनके लिए कोई प्रस्तुति नहीं, निमार्णाधीन जिम्मेदारी था। वे जानते थे कि एक गलत कोण वर्षों की मेहनत को मलबे में बदल सकता है। इसलिए इंजीनियरिंग उनके लिए नौकरी नहीं, जिम्मेदारी थी। आज का इंजीनियर भी कम प्रतिभाशाली नहीं; उसके औजार बदल गए हैं। वह ऐसी दुनिया रच रहा है जहाँ शहर, घर और फोन स्मार्ट हैं-कभी-कभी मनुष्य को छोड़कर। ऐप एक क्लिक में खाना पहुँचा देता है, पर यह नहीं पूछता कि उसे खरीदने की क्षमता कितनों के पास है। स्मार्ट सिटी के कैमरे हर चेहरा पहचान लेते हैं, पर पानी की कतार में खड़े चेहरे को नहीं। डेटा समुद्र-सा बढ़ रहा है, समझ कुएँ-सी सूख रही है। पुराने इंजीनियर बाँध बनाकर बाढ़ रोकते थे; आज के इंजीनियर उसका लाइव डैशबोर्ड बना सकते हैं। सुविधा बढ़ी है, पर क्या मनुष्य भी उतना ही सुरक्षित, सम्मानित और सुखी हुआ है? इंजीनियरिंग का विचित्र विरोधाभास है-इंजीनियर सुविधा बनाता है और फिर उसका गुलाम बन जाता है। पहले सर्वे के लिए धूप में चलना पड़ता था, अब उपग्रह तस्वीर भेज देता है। पहले रस्सी और पैमाने से नापते थे, अब सेंसर है। पहले चिट्ठी जाती थी, अब संदेश सेकंड में पहुँचता है। फिर भी मनुष्य के पास एक-दूसरे के लिए समय कम है। पहले प्रोजेक्ट की सफलता थी-सड़क टिके, पुल भार सहे और बिजली गाँव पहुँचे। अब उसमें प्रस्तुति, ब्रांडिंग, निवेश और लाइक्स भी जुड़ गए हैं। पहले इंजीनियर पूछता था-'यह टिकेगा कितने साल?' आज बाजार पूछता है-'यह बिकेगा कितने दिन?' गणित वही है, पर गणना का उद्देश्य बदल गया है। इंजीनियर समस्या हल करता है, यही उसकी ताकत है; हर समाधान नई समस्या भी ला सकता है, यही उसकी चुनौती है। नहरों से खेत हरे हुए, पर विकास का लाभ सब तक नहीं पहुँचा। इंटरनेट ने ज्ञान की दीवारें तोड़ीं, तो अफवाहों के दरवाजे भी खोल दिए। मशीन ने श्रम घटाया, पर निर्भरता बढ़ा दी। एल्गोरिद्म हमारी पसंद समझने लगा और धीरे-धीरे तय भी करने लगा। इंजीनियर ने मशीन बनाई, मशीन ने आदत बनाई और आदत ने मनुष्य को उपयोगकर्ता बना दिया। यह प्रगति है या उसका विज्ञापन-फैसला विवेक करेगा। क्योंकि जो तकनीकी रूप से संभव है, जरूरी नहीं कि सामाजिक रूप से उचित भी हो। आज इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी जरूरत नई मशीन नहीं, पुरानी नैतिकता है। पुल की डिजाइन में भार की सीमा तय होती है; समाज पर लालच, लापरवाही और स्वार्थ का भार कौन तय करेगा? कोड में गलती हो तो सिस्टम रुकता है, चरित्र में हो तो व्यवस्था चलती रहती है-गलत दिशा में। भ्रष्टाचार, घटिया निर्माण और कागज पर पूरे, जमीन पर अधूरे प्रोजेक्ट मनुष्य की त्रुटियाँ हैं। इंजीनियर को तकनीकी दक्षता के साथ सामाजिक विवेक चाहिए। नक्शे पर सीधी रेखा आसान है, पर उसके रास्ते में घर, खेत, पेड़ और लोगों की जिंदगी होती है। असली इंजीनियर वही है, जिसकी गणना में इंसान की सुरक्षा और गरिमा भी हो। पंद्रह सितंबर केवल इंजीनियरों को 'राष्ट्र निमार्ता' कहने का दिन नहीं; यह पूछने का दिन है-राष्ट्र किसका बन रहा है और उसमें कौन सुरक्षित रहेगा? पुराने इंजीनियरों ने लोहे-सीमेंट से भारत की आधारभूत संरचना खड़ी की; नए इंजीनियरों को डेटा-तकनीक से उसका मानवीय भविष्य बनाना है। पुल किनारों के साथ समुदायों को जोड़ें; तकनीक समय बचाने के साथ जीवन बेहतर करे। इंजीनियर की असली परीक्षा मशीन में नहीं, लोगों की जिंदगी में आए बदलाव में है। सबसे बड़ी उपलब्धि नाम वाली परियोजना नहीं, बल्कि वह जीवन है जो उसके काम से अधिक सुरक्षित, सक्षम और सम्मानजनक हुआ हो। आखिर इंजीनियरिंग की सबसे कठिन गणना है-तकनीक की दौड़ में मनुष्य कितना बचा? पुल की मजबूती स्टील, भवन की कंक्रीट और सर्वर की क्षमता डेटा से मापी जा सकती है; लेकिन सभ्यता की मजबूती संवेदना से। इंजीनियर के सामने चुनौती केवल तकनीकी समाधान की नहीं, यह तय करने की भी है कि वह समाज और मनुष्य के लिए कितना उपयोगी, सुरक्षित और न्यायपूर्ण है। हर नई तकनीक सुविधा के साथ निर्भरता और जोखिम भी लाती है। अब फैसला है-तकनीक मनुष्य की सहायक बनेगी या मनुष्य उसका पुर्जा?

एक रंगीन संघर्ष: हिमालयी तीतरों का भविष्य

डॉ विजय गर्ग
लेखक

हिमालय पृथ्वी के कुछ सबसे अद्भुत और शानदार पक्षियों का घर है। इनमें तीतर अपने चमकीले रंगों, आकर्षक पंखों और रोचक व्यवहार के कारण विशेष पहचान रखते हैं। खूबसूरत हिमालयी मोनाल से लेकर तीतरों की अन्य दुर्लभ प्रजातियों तक, ये पक्षी पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता के प्रतीक भी हैं।

लेकिन इनके रंगीन और आकर्षक रूप के पीछे अस्तित्व के लिए एक बढ़ता हुआ संघर्ष छिपा है। मानवीय गतिविधियाँ तेजी से पर्वतीय आवासों को बदल रही हैं, जिससे तीतरों की आबादी पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

हिमालयी तीतर भोजन, आश्रय और प्रजनन के लिए जंगलों, घासभूमियों, झाड़ियों तथा शांत और अपेक्षाकृत सुरक्षित पर्वतीय क्षेत्रों पर निर्भर रहते हैं। लेकिन सड़कों का विस्तार, पर्यटन, बस्तियों का फैलाव, कृषि, निर्माण तथा अन्य विकास गतिविधियाँ इन प्राकृतिक आवासों को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँट रही हैं। जब जंगल छोटे-छोटे क्षेत्रों में विभाजित हो जाते हैं, तो पक्षियों के लिए सुरक्षित रूप से आवागमन, भोजन प्राप्त करना और प्रजनन करना कठिन हो सकता है।

जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और गंभीर बना रहा है। बढ़ते तापमान तथा वर्षा और बर्फबारी के बदलते स्वरूप से वह वनस्पति प्रभावित हो सकती है, जिस पर तीतर निर्भर रहते हैं। जलवायु परिस्थितियों में बदलाव के साथ उपयुक्त आवास अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों की ओर खिसक सकते हैं। जो पक्षी बदलती परिस्थितियों के अनुकूल नहीं हो पाते या नए क्षेत्रों में स्थानांतरित नहीं हो सकते, उनके सामने भविष्य में अधिक कठिनाइयाँ आ सकती हैं।

मानवीय हस्तक्षेप भी एक गंभीर चिंता है। हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ता पर्यटन आर्थिक अवसर प्रदान करता है और लोगों को प्रकृति से जोड़ता है, लेकिन अनियंत्रित पर्यटन प्रजनन करने वाले पक्षियों को परेशान कर सकता है और संवेदनशील आवासों को नुकसान पहुँचा सकता है। शोर, यातायात, कचरा और लापरवाह व्यवहार का वन्यजीवों पर ऐसा प्रभाव पड़ सकता है, जो तुरंत दिखाई नहीं देता।

शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार भी इतिहास में कई तीतर प्रजातियों के लिए गंभीर खतरे रहे हैं। यद्यपि संरक्षण कानून और संरक्षित क्षेत्र महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करते हैं, फिर भी प्रभावी कानून-प्रवर्तन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी आवश्यक है।

तीतर केवल देखने में सुंदर पक्षी नहीं हैं। वे पर्वतीय वनों की पारिस्थितिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे खाद्य-श्रृंखला का हिस्सा हैं और अपने आवासों के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में योगदान देते हैं। उनकी उपस्थिति पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का संकेत भी हो सकती है।

इन पक्षियों की रक्षा के लिए केवल पक्षियों को बचाना पर्याप्त नहीं है; उनके प्राकृतिक आवासों का संरक्षण भी आवश्यक है। वन्यजीव गलियारों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए, विकास योजनाओं को पर्यावरणीय दृष्टि से सावधानीपूर्वक तैयार किया जाना चाहिए और संवेदनशील प्रजनन क्षेत्रों को विशेष संरक्षण मिलना चाहिए। पर्यटन को भी अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए तथा पर्यटकों को वन्यजीवों का सम्मान करने और प्राकृतिक क्षेत्रों को बिना नुकसान पहुँचाए छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

स्थानीय समुदाय संरक्षण के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। हिमालय में रहने वाले लोगों के पास जंगलों, वन्यजीवों और मौसमी बदलावों से संबंधित पारंपरिक और स्थानीय ज्ञान है। ऐसे संरक्षण कार्यक्रम, जिनमें शिक्षा, टिकाऊ आजीविका के अवसर और वन्यजीवों की रक्षा के लिए प्रोत्साहन शामिल हों, लंबे समय में अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं।

विद्यालय भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज हिमालयी वन्यजीवों के बारे में सीखने वाले बच्चे भविष्य के संरक्षणवादी, शोधकर्ता, वन अधिकारी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। पक्षी-दर्शन, प्रकृति क्लब और स्थानीय जैव-विविधता परियोजनाएँ बच्चों को अपने प्राकृतिक परिवेश से गहरा जुड़ाव बनाने में मदद कर सकती हैं।

हिमालयी तीतरों का भविष्य अंततः मानव द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों पर निर्भर करता है। इनके शानदार रंग हमारा ध्यान आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन इनके अस्तित्व के लिए इससे कहीं अधिक आवश्यक है-स्वस्थ वन, शांत प्राकृतिक आवास और जिम्मेदार मानवीय व्यवहार।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी चोटियों का भू-दृश्य नहीं है। यह पौधों, पशुओं और पक्षियों से भरा एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है, जो हजारों वर्षों में विकसित हुआ है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियाँ भी हिमालयी तीतरों के शानदार रंगों को उनके प्राकृतिक वातावरण में देख सकें, तो संरक्षण का कार्य आज से ही शुरू करना होगा।

इन रंगीन पक्षियों को बचाना वास्तव में हिमालय के जंगलों, पर्वतों और हमारी प्राकृतिक विरासत को बचाना है।

दशलक्षण पर्व – धर्म के दस पड़ाव, खुद से मिलने की एक यात्रा

कृति आरके जैन
लेखिका

आज मनुष्य घर, वस्तुओं और परिवेश को साफ रखने में जितना सजग है, उतना ही अपने भीतर की अशांति से अनजान है। दिगंबर जैन समाज का दशलक्षण पर्व इसी भीतर की सफाई का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व क्रोध, अहंकार, छल, लोभ और आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने और संयमित करने की प्रेरणा देता है। भौतिक सुविधाएं बढ़ने के बावजूद यदि मन अशांत और रिश्ते कमजोर हैं, तो कमी बाहर नहीं, भीतर है। दशलक्षण पर्व इसी सत्य की ओर लौटने और अपने विचार, व्यवहार व जीवन को परखने का अवसर देता है।

दशलक्षण की शक्ति उसके दस नामों में नहीं, उन जीवन-सूत्रों में है जो मनुष्य की कमजोरियों को चुनौती देते हैं। उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य, ब्रह्मचर्य-ये किसी आदर्शलोक की बातें नहीं, जीवन की जरूरत हैं। क्रोध के समय क्षमा, अहंकार के बीच मार्दव, छल के बीच आर्जव और झूठ के शोर में सत्य की जरूरत है। शौच मन और शरीर की निर्मलता, संयम और तप इच्छाओं पर अंकुश, त्याग और आकिंचन्य संग्रह-वृत्ति से मुक्ति तथा ब्रह्मचर्य आत्मनियंत्रण का बोध कराते हैं। इसलिए इन दस धर्मों का क्रम केवल धार्मिक विधान नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र को भीतर से अनुशासित करने की सुविचारित प्रक्रिया है।

मनुष्य दूसरों की गलतियां गिनने में जितना तत्पर रहता है, उतना अपने भीतर झांकने में नहीं। दशलक्षण पर्व इसी आदत को बदलने का अवसर देता है। दिगंबर दर्शन में कर्म-सिद्धांत इसकी दार्शनिक आधारभूमि है-हर विचार और कर्म आत्मा पर सूक्ष्म कर्म-आवरण डालता है, जो दुख और पुनर्जन्म के बंधन का कारण बनता है। इसलिए पर्व में आत्मनिरीक्षण महत्वपूर्ण है। व्यक्ति अपने व्यवहार का लेखा-जोखा करता है, भूल स्वीकारता है और सुधार का संकल्प लेता है। इसका सामाजिक प्रभाव भी स्पष्ट है-जिम्मेदारी स्वीकारने से दोषारोपण और संघर्ष घटते हैं। इस दृष्टि से कर्म-सिद्धांत केवल पाप-पुण्य का विचार नहीं, बल्कि जिम्मेदार जीवन जीने का प्रशिक्षण है।

जब बाजार हर इच्छा तुरंत पूरी करने का वादा कर रहा हो, तब उपवास प्रश्न उठाता है-क्या हर इच्छा पूरी होना जरूरी है? दशलक्षण में तप और उपवास इसी प्रश्न का उत्तर खोजते हैं। दिगंबर अनुयायी अपनी क्षमता और संकल्प के अनुसार पूर्ण या आंशिक व्रत अपनाते हैं। उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं, इंद्रियों पर नियंत्रण पाना है। इच्छा रोकना मन को यह बोध कराता है कि वह इच्छाओं का गुलाम नहीं। ध्यान, स्वाध्याय और तत्त्वार्थ सूत्र जैसे ग्रंथों के अध्ययन से ज्ञान गहराता है। अधिक भोजन, उपभोग और संग्रह के बढ़ते दबाव के बीच तप सिखाता है कि सुख वस्तुओं की अधिकता में नहीं, आवश्यकता की सीमा पहचानने में है।

क्षमा मनुष्य द्वारा अपने लिए किया गया सबसे बड़ा उपकार है, क्योंकि वैर दूसरे से अधिक उसी मन को जलाता है जिसमें वह पलता है। दशलक्षण की क्षमापना इसी गांठ को खोलने का अवसर है। 'उत्तम क्षमा' केवल औपचारिक उच्चारण नहीं, अपने किए-अनकिए अपराधों को स्वीकारने और संबंधों से कटुता हटाने का भाव है। क्षमा का पहला कदम अपनी भूल मानने का साहस है; यही उसे मनोवैज्ञानिक मुक्ति बनाता है। आज सोशल मीडिया के विवाद, कटु टिप्पणियां और मतभेद जल्दी वैमनस्य में बदलते हैं। ऐसे समय में क्षमा संबंधों को जोड़ने वाली शक्ति है-जहां अहंकार पीछे हटता है, वहीं संवाद की जगह बनती है।

धर्म तब जीवंत होता है, जब वह व्यक्तिगत साधना से निकलकर समाज की सामूहिक चेतना बने। दशलक्षण के दौरान जिनालय दर्शन, सामूहिक पूजा, प्रवचन और साधु-साध्वियों का मार्गदर्शन इसी चेतना को मजबूत करते हैं। ये आयोजन केवल धार्मिक गतिविधियां नहीं, नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने के साझा मंच हैं। सामूहिक सहभागिता व्यक्ति को अकेलेपन से बचाती और मूल्यों पर टिके रहने का संबल देती है। यही चेतना अहिंसा में व्यापक होती है। जैन दृष्टि में अहिंसा केवल मनुष्य के प्रति सद्भाव नहीं, समस्त जीव-जगत के प्रति संवेदनशीलता है। इसलिए पर्यावरण-संरक्षण, वृक्षारोपण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी इसके स्वाभाविक विस्तार हैं। जलवायु संकट के दौर में अहिंसक और संतुलित जीवन-दृष्टि का महत्व और बढ़ जाता है।

जीवन में संग्रह बढ़ता जाता है और जिसे हम अपना मानकर जोड़ते रहते हैं, वही धीरे-धीरे हमारे लिए भार बन सकता है। दशलक्षण का त्याग और आकिंचन्य इसी भार से मुक्त होने का मार्ग दिखाते हैं। दान और परोपकार इस भावना को सामाजिक स्वरूप देते हैं। निस्वार्थ दान जरूरतमंद की सहायता के साथ दाता में उदारता और संग्रह से विरक्ति का भाव जगाता है। सामाजिक असमानता के बीच संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण संतोष और सहयोग बढ़ा सकता है। दिगंबर परंपरा का सादगीपूर्ण दान इसी विचार पर आधारित है कि वस्तुओं का संचय सुख की गारंटी नहीं। वास्तविक सुख तब मिलता है, जब अपने पास की वस्तुओं में किसी और का हिस्सा समझने का भाव जागे। त्याग अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण जीवन का नाम है।

दशलक्षण केवल दस दिनों का धार्मिक अनुशासन नहीं, जीवन की दिशा बदलने का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व मनुष्य को भीतर झांकने और क्रोध, अहंकार, छल, असंयम, लालच व आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने का अवसर देता है। क्षमा क्रोध को शांत करती है, मार्दव और आर्जव व्यक्तित्व को सरल बनाते हैं, सत्य और शौच उसे निर्मल करते हैं, संयम और तप इच्छाओं को सीमा देते हैं तथा त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य आसक्ति से मुक्ति की राह दिखाते हैं। इसका प्रभाव व्यक्ति से परिवार और समाज तक पहुंचता है। इसलिए दशलक्षण की सार्थकता पूजा के बाद नहीं, तब है जब दस दिनों के बाद भी क्षमा स्वभाव में, संयम व्यवहार में, त्याग जीवनशैली में और करुणा दृष्टि में बनी रहे।

जिला एथलीट मीट में वालिया ग्लोबल एकेडमी के विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन, चार खिलाड़ियों ने जीते गोल्ड मेडल

तनिष्का सिंह समेत चार विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पधाओं में हासिल किए स्वर्ण पदक, विद्यालय परिवार ने दी बधाई

वेलकम इंडिया/ महमूद रजा

नजीबाबाद। बिजनौर के नेहरू स्टेडियम में जिला एथलीट एसोसिएशन बिजनौर की ओर से आयोजित जिला स्तरीय सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर एथलीट मीट-2026 में वालिया ग्लोबल एकेडमी नजीबाबाद के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के चार खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों की एथलेटिक्स स्पधाओं में प्रतिभाग करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंध समिति और शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी। प्रतियोगिता का आयोजन जिला एथलीट एसोसिएशन बिजनौर की ओर से नेहरू स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता का नेतृत्व एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एसपी देशवाल, सचिव ओम राज सिंह और आयोजक कपिल राणा की देखरेख में हुआ। आयोजन में खेल शिक्षकों मुकुल राठी, अजय कुमार, उत्सव चौधरी और समीक्षा सिंह का विशेष योगदान रहा। वालिया ग्लोबल एकेडमी की कक्षा 12 कॉमर्स की छात्रा तनिष्का सिंह, पुत्री चौधरी ईशम सिंह, ने अंडर-18 बालिका वर्ग की 110 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने लंबी कूद में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। कक्षा 11 बायोलॉजी की छात्रा दिव्यांशी ने अंडर-16 बालिका वर्ग की लंबी कूद स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीता।

कक्षा 12 कॉमर्स के छात्र शिखर कुमार ने अंडर-20 बालक वर्ग की 110 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं कक्षा 10 के छात्र आयुष कश्यप ने अंडर-18 बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 200 मीटर दौड़ में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और रजत पदक अपने नाम किया। विद्यालय के चारों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर प्रबंध समिति के रमाकांत वालिया और कमलकांत वालिया, प्रधानाचार्य अनीता सिवाच, भाजपा नेता चौधरी ईशम सिंह, खेल शिक्षक दिवाकर त्यागी व मोहित कर्णवाल तथा वरिष्ठ शिक्षक एवं समन्वयक कुमुद कुमार ने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से अन्य छात्र-छात्राओं को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

गणेश चतुर्थी पर नगर में कई जगह हुआ गणपति बप्पा का स्वागत

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

नजीबाबाद। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी कहते हैं और इसी दिन से गणेश उत्सव की शुरूआत होती है और इसका समापन लगभग 10 दिन के बाद होता है। इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी पर नगर के विभिन्न स्थानों पर सनातन धर्म में प्रेमियों द्वारा सुंदर-सुंदर विद्युत साज सज्जा से सुसज्जित पंडाल सजाकर भगवान गणेश जी की श्रद्धा पूर्वक, विधि विधान के साथ प्रतिमा की स्थापना की गई। सबसे पहले कलश की स्थापना की। इसके बाद एक साफ चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाकर चौकी पर अक्षत यानी चावल रखें और गणेश जी की मूर्ति स्थापित की गई। आरती उपरांत सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। भक्तों ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मान्यता है कि इस दिन मिट्टी से बनी गणेश मूर्ति की पूजा करना अत्यंत मंगलकारी और कल्याणकारी होता है। नगर के सभी पंडालों में भगवान गणेश के जयकारे लगाए जा रहे थे, जिससे नगर का वातावरण पूरी तरह से गणेश मय हो गया।

वाहनों के खिलाफ चलाया गया संयुक्त अभियान, आठ थ्री-व्हीलर स्क्रैप सेंटर भेजे

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के अनुपालन में परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने सोमवार को बुलंदशहर रोड पर पुराने एवं निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान निर्धारित मानकों के विपरीत पाए गए आठ थ्री-व्हीलर (टेंपो) को कार्रवाई करते हुए स्क्रैप सेंटर भेज दिया गया।अभियान का नेतृत्व एआरटीओ रमेश चौबे और यातायात प्रभारी नरेश कुमार ने टीम के साथ किया। चेकिंग के दौरान वाहनों के पंजीकरण, दस्तावेज और निर्धारित आयु की जांच की गई। जांच में निर्धारित अवधि पूरी कर चुके आठ थ्री-व्हीलर पाए गए, जिन्हें मौके पर कार्रवाई के बाद स्क्रैप सेंटर भेजा गया। कार्रवाई शुरू होते ही पुराने वाहन संचालकों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। एआरटीओ रमेश चौबे ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। एनजीटी के आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। निर्धारित अवधि पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर को दबोचा, मादक पदार्थ बरामद कर भेजा जेल

कांधला। पुलिस ने गश्त के दौरान एक तस्कर को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। सोमवार को गंगेरू चौकी प्रभारी योगेश कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान जिडाना रजवाहा पटरी पर ट्यूबवेल के पास एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान युवक के पास से काली पन्नी में रखी 300 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी ने अपना नाम इमरान उर्फ टोनी पुत्र इरशाद निवासी गांव गढ़ी दौलत बताया है। पूछताछ में आरोपी ने चरस बेचने की बात भी स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

एकेपी इंटर कॉलेज में योग शिविर का किया गया आयोजन, 200 छात्राओं व स्टाफ ने किया योगाभ्यास

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। मुख्य विकास अधिकारी हापुड़, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार गुप्ता तथा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारी डॉ. अशोक कुमार राना के दिशा-निर्देशन में योग वेलनेस सेंटर, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय जनपद हापुड़ की ओर से एकेपी इंटर कॉलेज, हापुड़ में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में योग प्रशिक्षक कुमकुम एवं सुशील कुमार ने करीब 200 छात्राओं एवं कॉलेज स्टाफ को विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस दौरान सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, पश्चिमोत्तानासन, पवनमुक्तासन, सर्वांगासन, भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, चक्रासन एवं वज्रासन सहित कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम कराया गया। योग प्रशिक्षकों ने छात्राओं को नियमित योगाभ्यास के लाभ बताते हुए विभिन्न रोगों से बचाव के उपायों तथा स्वस्थ दिनचर्या के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक है। कॉलेज की प्रधानाचार्य ने छात्राओं को नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र के आरोपी आसपुर देवसरा पुलिस ने पकडा

प्रतापगढ़ (वेलकम इंडिया)। थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र से पुलिस को मिली बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए धोखाधड़ी एवं अपराधिक षड्यंत्र करने वाले एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस प्रमुख दीपक भूकर एवं अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार के दिशानिदेर्शानुसार थाना आसपुर देवसरा पुलिस का एक्शन लगातार जारी है अपराधियों पर क्षेत्र मेंअपराध जीरो थानाध्यक्ष आसपुर देवसरा राकेश चौरसिया के निर्देश पर उप निरीक्षक हरीद्र नारायण अपनी पुलिस टीम के साथ ।क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था एवं अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करने के उद्देश्य सेभ्रमण कर रहे थे उसी समय पुलिस को मुखबिर विशेष द्वारा सूचना प्राप्त हुई की। फर्जी दस्तावेज के माध्यम से धोखाधड़ी करके पैसा जालसाजी से लेने वाला अभियुक्त कादीपुर रोड ग्राम भाटी के पास मौजूद है। थानेदार के सूचना पर क्षेत्र में पहले से ही अपराधियों की तलाश कर रहीपुलिस तत्काल सूचना स्थल पर पहुंचकर अभियुक्त संतोष कुमार यादव को गिरफ्तार करते हुए सलाखों के पीछे भेज दिया।

दीवान संस्थान में हिंदी दिवस समारोह, प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

मेरठ। परतापुर स्थित दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में सोमवार, 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह का आयोजन संस्थान के चेयरमैन विवेक दीवान, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कर्नल डॉ. नरेश गोयल एवं सलाहकार डॉ. श्रुति अरोड़ा के निर्देशन में किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीएन डिग्री कॉलेज, मेरठ के प्राचार्य प्रो. बी.एस. यादव, साहित्यकार डॉ. किरण सिंह तथा सुप्रसिद्ध कवि कृष्ण गोपाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, विरासत और एकता की भाषा है। हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में गोल्डन बेल्स स्कूल के तुषार ने प्रथम, इंशिका ने द्वितीय तथा श्रीराम सरस्वती स्कूल के हर्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में श्रीराम सरस्वती स्कूल की नंदिनी जैन प्रथम, जनता इंटर कॉलेज की वंशिका द्वितीय तथा रेशु तृतीय स्थान पर रहीं। 'हिंदी का महत्व' विषय पर तनिषा, प्रिंसेस, प्रयोजनी एवं जिया की टीम द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और खूब सराहना बटोरी।एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कर्नल डॉ. नरेश गोयल ने कहा कि हिंदी हमारी पहचान और गौरव है। संस्थान के प्राचार्य डॉ. मुनेन्द्र कुमार ने हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर दिया। समन्वयक धर्मवीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान और रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन प्राध्यापिका मोनिका सैनी एवं रूपल दीक्षित ने किया। अंत में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीवान कॉलेज एजुकेशन के समस्त प्रवक्ताओं एवं स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संघ द्वारा 'भारत माता वंदना' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा निर्मल पब्लिक स्कूल, वी.एस. एम. एकेडमी नूरपुर में भव्य 'भारत माता वंदना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करना और युवाओं को देश की सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित करके की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनील विभाग प्रचार प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा भारत केवल एक भूमि का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारी माता है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जाति, पंथ और भाषा के भेदभाव से ऊपर उठकर देश की उन्नति में अपना योगदान दे। आज के समय में देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए समाज में एकता और अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोना ।युवा पीढ़ी को प्रेरणाः पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के बीच युवाओं को अपनी जड़ों और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूक करना।

बढ़ती गुलदार की समस्या को लेकर वन विभाग से मिले भाकियू महात्मा टिकैत पदाधिकारी

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नजीबाबाद क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गुलदार की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत के पदाधिकारियों ने सामाजिक वानिकी वन विभाग, नजीबाबाद पहुंचकर क्षेत्रीय वन अधिकारी राम कुमार से मुलाकात की और ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार की बढ़ती गतिविधियों एवं उससे उत्पन्न खतरे से अवगत कराया। पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार की लगातार मौजूदगी से किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। आए दिन गुलदार दिखाई देने की घटनाओं के कारण लोगों को खेतों में काम करने और ग्रामीणों को आवागमन में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वन विभाग से गुलदारों की निगरानी बढ़ाने तथा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की।इस दौरान भाकियू महात्मा टिकैत जिलाध्यक्ष चौधरी सुखविंदर सिंह, जितेंद्र हुड्डा, कपिल अहलावत, सुनील कुमार, सतपाल शर्मा, सिराज अंसारी, शहजाद मलिक, कुलदीप मोर, सुनील कुमार, रामनरेश राठी, अर्जुन मलिक,मोनीस, रोहित कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।भाकियू पदाधिकारियों ने वन विभाग से ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गुलदार की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

यूनिवर्सल एकेडमी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गणेश चतुर्थी का उत्सव

बिजनौर (वेलकम इंडिया)। यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर में गणेश उत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणेश जी की एस्थपना के कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबन्धक राकेश कर्णवाल, प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी एवं उप-प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल, समस्थ स्टाफ द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार एवं गणपति बप्पा की आरती से विद्यालय परिसर भक्तिमय हो उठा। पूजन के दौरान भगवान गणेश को मोदक का भोग अर्पित किया गया। शिक्षकों ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना में सहभागिता करते हुए सुख, समृद्धि, बुद्धि एवं सफलता की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी ने भगवान गणेश के जीवन, उनके आदर्शों एवं भारतीय संस्कृति में उनके महत्व को बटाया। उप-प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने सभी को गणेश उत्सव के धार्मिक महत्व से अवगत कराया तथा सभी को सकारात्मक सोच एवं सद्गुणों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन गणेश आरती एवं मोदक के प्रसाद वितरण के साथ हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओ की सराहना की।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 13 यूनिट रक्त एकत्रित

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर/नजीबाबाद। सिविल कोर्ट बाईपास रोड स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कुल 13 यूनिट रक्तदान किया। शिविर के आयोजक जीशान भाई रहे। कार्यक्रम में समाजसेवी मोहम्मद दीपक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि सहानपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने शिविर का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फहीम अख्तर, रक्तदान महादान टीम नजीबाबाद ने की। शिविर में Life Line Blood Centre का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर खुर्शीद मंसूरी ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। वहीं अयाज अहमद अंसारी सहित अन्य लोगों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में वसीम (कोटद्वार), दिव्यांश रावत (कोटद्वार), मोहम्मद नाज़िम अंसारी (कमालपुर), गुफरान (नजीबाबाद), शाद (हरशवाड़ा), नवाब हुसैन (सहापुरा), मोहम्मद हुजैफा (रामपुरा), खुर्शीद मंसूरी (सहानपुर), अयाज अहमद अंसारी (हरशवाड़ा), मोहम्मद तहसीन (खाईखेड़ी), मोहम्मद तकी (अमाननगर), मोहम्मद आदिल (कमालपुर) और मोहम्मद अहतेशाम (अमाननगर) शामिल रहे।शिविर में डॉ. नूर मोहम्मद, डॉ. शोएब, डॉ. फरदीन, डॉ. सचिन, डॉ. जीशान, डॉ. अशोक चाहल, ईसा मालिक, मोहम्मद आयाज, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद जवाद, मोहम्मद सोनू, मोहम्मद सलमान, मुफ्ती हुजैफा साहब, मोहम्मद जैद, काउंसलर मोहम्मद महबूब, अटेंडेंट अंकित तथा टेक्नीशियन महेश और फजौल सहित अस्पताल एवं शिविर का स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के आयोजकों ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है, जिससे जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में मदद मिलती है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर मुख्यमंत्री सख्त

शिकायतों का तय समयसीमा में हो समाधान, संबंधित अधिकारी स्वयं लें जिम्मेदारी; 15 अक्टूबर तक सभी सड़कें दुरुस्त करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन-1905 की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों को लंबित रखना अथवा केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रखना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। प्रत्येक शिकायत का तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए और इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी स्वयं लें। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए कई शिकायतकर्ताओं से फोन पर सीधे बातचीत की। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से पूछा कि उनकी समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग की ओर से क्या कार्रवाई की गई और उन्हें वास्तव में राहत मिली या नहीं। जिन मामलों में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई थी, उन्हें मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

वहीं, जिन शिकायतों का समाधान किया जा चुका था, मुख्यमंत्री ने संबंधित शिकायतकर्ताओं से भी फोन पर बात कर फीडबैक लिया। शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई त्वरित सहायता पर संतोष जताते हुए सीएम हेल्पलाइन के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन-1905 केवल शिकायत दर्ज कराने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के प्रभावी समाधान का महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। इसलिए शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलने के बाद ही प्रकरण को पूर्ण रूप से निस्तारित माना जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान करना है। प्रत्येक शिकायत की गंभीरता से निगरानी की जाएगी। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, अनावश्यक देरी या खानापूर्ति सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को सड़कों की स्थिति को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 अक्टूबर तक प्रदेश की सभी सड़कों को दुरुस्त करने का लक्ष्य हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कें आम जनता की रोजमर्रा की आवाजाही से सीधे जुड़ी हैं। खराब सड़कों के कारण लोगों को परेशानी के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए संबंधित विभाग और जिला प्रशासन आपसी समन्वय के साथ सड़कों की स्थिति की लगातार निगरानी करें और जहां भी मरम्मत की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर काम कराया जाए।

असरी तालीम के साथ दीनी तालीम हासिल करना जरूरीः मौलाना फकीहुद्दीन मजाहिरी

मदरसा अरबिया इस्लाहुल मुस्लिमीन छपिया छतौना में परीक्षा परिणाम एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड सेमरियावा के मदरसा अरबिया इस्लाहुल मुस्लिमीन छपिया छतौना में परीक्षा परिणाम और मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मदरसे के नाजिम मौलाना फकीहुद्दीन मोजाहिरी ने कहा कि असरी तालीम के साथ दीनी तालीम हासिल करना जरूरी है। इल्मे दीन हासिल करना हर मुसलमान मर्द और औरत पर फर्ज है। ताकि अच्छे और बुरे का फर्क मालूम हो। उन्होंने कहा कि नमाज की पाबंदी करें। कुरान की तिलावत करें। कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षिक मेहनत और शानदार प्रदर्शन के सम्मान में हाफिज मुश्ताक अहमद, मौलाना वलीउल्लाह कासमी, हाफिज मुश्ताक अहमद, मदरसे के नाज़िम मौलाना फकीहुद्दीन मजाहिरी द्वारा विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं अन्य छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें भी प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए।

बाईपास पर पुल और सर्विस रोड की मांग, सांसद को सौंपा पत्र

किसानों के लंबित मुआवजे का भुगतान कराने की भी मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/कोसीकलां। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के कोसीकलां बाईपास क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु करने और स्थानीय लोगों की आवाजाही आसान बनाने के लिए दोनों ओर सर्विस रोड निर्माण तथा श्यामनगर रोड तिराहे पर पुल बनाने की मांग उठी है। इस संबंध में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल ने सांसद हेमा मालिनी को पत्र सौंपकर जनसमस्याओं के समाधान की मांग की है।

कन्हैयालाल गोयल ने पत्र में कहा कि बाईपास से जुड़ी समस्याएं लंबे समय से क्षेत्रवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी इन समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था। उस समय इनके समाधान का भरोसा दिया गया था, लेकिन चुनाव के बाद करीब दो वर्ष बीतने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि बाईपास के दोनों ओर पर्याप्त सर्विस रोड नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों और आसपास के गांवों से आने-जाने वाले ग्रामीणों को मुख्य मार्ग पर यातायात के बीच से आवागमन करना पड़ता है। शालीमार रोड तिराहे सहित अन्य संपर्क मार्गों पर पुल या सुरक्षित क्रॉसिंग की व्यवस्था नहीं होने से परेशानी बढ़ जाती है। भारी वाहनों की आवाजाही के चलते दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।पत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण एवं चौड़ीकरण के दौरान अधिग्रहित किसानों की जमीन का लंबित मुआवजा दिलाने की मांग भी की गई है। व्यापार मंडल ने सांसद से एनएचएआई एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर आवश्यक निर्माण कार्य कराने और किसानों के मुआवजे का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान मंडल कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल घी वाले, वासदेव पंडित, किशन चौधरी और राधे यादव मौजूद रहे।

कार से हुड़दंग, पुलिस ने किया 6500 रुपये का चालान

कांधला (वेलकम इंडिया)। कस्बे के कैराना बस अड्डे पर कार की छत और खिड़कियों पर लटककर हुड़दंग मचा रहे आधा दर्जन युवकों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने कार को पकड़कर 6500 रुपये का चालान काटा और कार चालक समेत सभी युवकों को भविष्य में इस तरह की हरकत न करने की सख्त चेतावनी दी।सोमवार को कार में सवार कुछ युवक तेज आवाज में प्रतिबंधित हॉर्न बजाते हुए सड़क पर वाहन चला रहे थे। इस दौरान एक युवक कार की छत से बाहर निकलकर खतरनाक तरीके से खड़ा था, जबकि अन्य युवक कार की खिड़कियों से बाहर लटककर हुड़दंग मचा रहे थे। युवकों की इस हरकत से सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा था।मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार को रोक लिया। उप निरीक्षक ओंकारनाथ पांडे ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन और खतरनाक तरीके से वाहन में यात्रा करने के मामले में कार का 6500 रुपये का चालान किया गया है। साथ ही कार चालक और उसमें सवार युवकों को सख्त चेतावनी दी गई है कि भविष्य में दोबारा ऐसी हरकत करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षण में शिक्षकों ने सीखे भाषा-गणित को सरल बनाने के तरीके

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। ब्लॉक भगतपुर-टांडा के एसकेडीएम महाविद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय पदिया नगला में निपुण भारत मिशन के तहत एफएलएन का पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण चतुर्थ बैच के साथ संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में क्षेत्र के करीब 150 शिक्षक और शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया।प्रशिक्षण बीईओ मोहित कुमार के मार्गदर्शन में संचालित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर्स ने एनसीईआरटी की नवीन पुस्तकों पर आधारित एफएलएन के विभिन्न मॉड्यूलों के माध्यम से शिक्षकों को प्राथमिक कक्षाओं में भाषा और गणित को सरल एवं प्रभावी ढंग से पढ़ाने का अभ्यास कराया। सत्र 2026-27 की शिक्षण प्रक्रियाओं से भी परिचित कराया गया। बच्चों की सीखने की स्थिति के अनुसार शिक्षण रणनीति तैयार करने पर विशेष जोर रहा। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक चार्ट तैयार कर उनका प्रस्तुतिकरण किया। अंतिम दिन आकाशवीर सिंह और प्रियंक त्यागी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। एसकेडीएम में एआरपी श्रवण कुमार, करुन चौहान, सुमन, पूर्व एआरपी वसीम राजा, पारुल जैन और अभेक्ष प्रताप सिंह ने संदर्भदाता की भूमिका निभाई। वहीं पदिया नगला में एआरपी विनय कुमार और पूर्व एआरपी सुभाषचंद्र ने संदर्भदाता की जिम्मेदारी अदा की। प्रशिक्षण में आकाशवीर सिंह, मोहम्मद लईक सैफी, सुभाष सागर, विपिन कुमार, मोहम्मद नासिर, शकील अहमद, सरफराज हुसैन, कुंवर प्रताप सिंह, मोहम्मद आरिफ, वसीम अख्तर, सतीश कुमार, सचिन यादव, इन्द्रेश कुमारी, अलका, शिखा बंसल, कोमल वैश्य, कहकशां, फरहाना मलिक, पूर्णिमा, राजिका, शालिनी शर्मा, शशि यादव, पुष्पा गौतम, संतोष रानी, मनीषा और दिव्या रुहेला आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

रामलीला मंचन से पहले निकाली गई श्री रामध्वज शोभायात्रा

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर में श्री रामलीला कमेटी पंजाबी धर्मशाला के तत्वावधान में रामलीला मंचन से पूर्व सोमवार को श्री रामध्वज पूजन एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और श्रीराम के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मोहल्ला रायजादगान स्थित सिद्धपीठ प्राचीन माता श्री शाकंभरी देवी भवन में पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद श्री रामध्वज के साथ शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पंजाबी धर्मशाला स्थित रामलीला मंचन स्थल पहुंची। यहां विधिवत पूजन के बाद श्री रामध्वज स्थापित किया गया। इस दौरान गुणपाल जैन, अनिल मित्तल, घनश्याम सैनी, डॉ. जनेश्वर चौहान, डॉ. रश्मिकांत जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अवैध लाइन शिफ्टिंग के आरोप में तीन लाइनमैन हटाए गए

कांधला। बिजली विभाग में भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई करते हुए डुढार 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर तैनात तीन कर्मचारियों को अवैध तरीके से विद्युत लाइन शिफ्ट करने के आरोप में हटा दिया गया है। कार्रवाई से विभागीय कर्मचारियों में हड़कंप मचा है।जानकारी के अनुसार, विद्युत लाइन को बिना प्रशासनिक स्वीकृति, स्वीकृत एस्टीमेट और निर्धारित विभागीय शुल्क जमा कराए स्थानांतरित किए जाने की शिकायत मिली थी। प्राथमिक जांच में सतीश, नीरज और विक्रम की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर कार्रवाई की गई।विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता रवींद्र कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, मेहर एंटरप्राइज कंपनी के जीएम हिमांशु रोहिला ने बताया कि विभाग की ओर से तीनों लाइनमैनों को सेवा से हटाने का आधिकारिक पत्र प्राप्त हो गया है। मामले की जांच जारी है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सत्य प्रकाश उपस्थित रहे। बैठक में सड़क सुरक्षा समिति की विगत बैठकों में दिए गए निदेर्शों की विभिन्न विभागों द्वारा अनुपालन आख्या एवं कृत कार्यवाही की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने एन0एच0ए0आई0 मार्ग के किनारे झाड़ियों की साफ-सफाई, पटरी मरम्मत, नाली मरम्मत एवं अवैध कट्स आदि के सम्बन्ध में सड़क सुरक्षा से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गयी। मार्ग के किनारों पर झाड़ियों के साफ सफाई के संबंध में एन0एच0ए0आई0 के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग/यातायात पुलिस को निर्देश दिया कि सड़कों पर गलत साइड एवं नो-पार्किंग में खड़े वाहनों का नियमित तौर पर जांच कर चालान किया जाए तथा चालान किए गए वाहनों की संख्या को भी दशार्या जाए। उन्होंने परिवहन एवं संबंधित पुलिस अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में अभियान चलाकर माल वाहक गाड़ियों के पीछे विशेष तौर पर ट्रैक्टर ट्राली के पीछे रिफलेक्टर रेडियम पट्टी लगाया जाए जिससे दुर्घटना होने की संभावनाओं से बचा जा सके। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद के मुख्य चौराहों पर यातायात के समुचित व्यवस्था हेतु ट्रैफिक लाईट की व्यवस्था करायी जाय तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से सम्बंधित संकेतकों को भी स्पष्ट रूप से दशार्या जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक ब्लैक स्पॉट पर टेबल टॉप रम्बल स्ट्रिप बनाया जाय एवं सीट बेल्ट व हेलमेट का पालन करने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाय तथा सीट बेल्ट व हेलमेट का प्रयोग न करने वालों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही एवं नियमानुसार चालान भी किया जाय। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त विभाग सड़क सुरक्षा सम्बंधित नियमों का पालन करने के दृष्टिगत आम नागरिकों को प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों से जागरूक करें। जिलाधिकारी द्वारा परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया की जनपद के समस्त स्कूली वाहनों का शत प्रतिशत सत्यापन किया जाय, वाहनों की परमिट एवं फिटनेस की जांच एक निश्चित समय अंतराल पर की जाती रहे और समस्त अनफिट वाहनों का चालान कर बंद कराया जाए। उन्होंने कहा कि इसको गंभीरता से लिया जाए, किसी भी विद्यालय में एक भी अनफिट वाहन नहीं चलने चाहिए। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग आर0के0 पांडेय, एआरटीओ प्रियंवदा सिंह, अधिषाशी अभियंता विद्युत राजेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, यातायात निरीक्षक परमहंस, सहायक अभियंता लोक निर्माण विमल कुमार, अधि0 अधिकारी नगर पालिका अवधेश भारती सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

537 ग्राम की थायराइड गांठ का सफल ऑपरेशन

दिल्ली और मथुरा के कई अस्पतालों में उपचार से निराश मरीज का स्पंदन हॉस्पिटल में सफल इलाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गले में बनी 537 ग्राम की बड़ी थायराइड गांठ से परेशान मरीज प्रदीप का स्पंदन हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन किया गया। कई अस्पतालों में उपचार के लिए जाने के बाद निराश हुए प्रदीप को यहां उपचार की उम्मीद मिली। डॉ. हिमांशु जैन और उनकी टीम ने अत्याधुनिक मशीनों द्वारा सावधानीपूर्वक किए गए उपचार के माध्यम से चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। जानकारी के अनुसार प्रदीप के गले में काफी बड़ी थायराइड गांठ बन गई थी। इसे लेकर वह लंबे समय से परेशान थे। उपचार के लिए उन्होंने दिल्ली और मथुरा के कई अस्पतालों में चिकित्सकों से संपर्क किया, लेकिन जटिलता को देखते हुए उन्हें उपचार को लेकर निराशा हाथ लगी। इसके बाद प्रदीप स्पंदन हॉस्पिटल पहुंचे। यहां डॉ. हिमांशु जैन ने मरीज की जांच के बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया। डॉक्टर और उनकी टीम ने 537 ग्राम की थायराइड गांठ को सफलतापूर्वक निकाल दिया।

डॉ. हिमांशु जैन ने बताया कि गांठ का आकार काफी बड़ा होने के कारण ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण था। अत्याधुनिक मशीनों और सावधानीपूर्वक किए गए उपचार के साथ पूरी टीम के सहयोग से ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे जटिल मामलों में टीमवर्क और पूरी सावधानी बेहद महत्वपूर्ण होती है। इलाज के बाद प्रदीप ने डॉ. हिमांशु जैन और उनकी पूरी टीम का आभार जताया। मरीज का कहना है कि वह उपचार के लिए कई जगह गया, लेकिन वहां से निराशा मिली। स्पंदन हॉस्पिटल में डॉक्टर ने उसका सफल इलाज किया। प्रदीप ने डॉक्टर की सराहना करते हुए कहा कि उनके लिए यह उपचार नई उम्मीद लेकर आया है और वह डॉ. हिमांशु जैन तथा उनकी टीम के हमेशा आभारी रहेंगे।

रात्रि गश्त में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, आरटी सेट की सूचनाओं पर तत्काल देना होगा जवाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में थाना कोतवाली खलीलाबाद की शहरी चौकियों के प्रभारियों, जीडी मुंशियों और कार्यालय में नियुक्त पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी की। इस दौरान उन्होंने पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विशेष रूप से रात्रि गश्त, पैदल गश्त और आरटी सेट पर प्राप्त होने वाली सूचनाओं को लेकर पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शहर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रात्रि गश्त और पैदल गश्त को और अधिक चुस्त-दुरुस्त एवं प्रभावी बनाया जाए। पुलिसकर्मी रात के समय अधिक से अधिक क्षेत्र में मौजूद रहकर लगातार भ्रमणशील रहें। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कार्यालय में नियुक्त मुंशियों को ड्यूटी रोस्टर में आवश्यक बदलाव करते हुए कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ड्यूटी व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी समय पुलिसकर्मियों की उपलब्धता बनी रहे और सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने आरटी सेट पर प्राप्त होने वाली सूचनाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि आरटी सेट पर आने वाली प्रत्येक सूचना को गंभीरता से सुना जाए और संबंधित सूचना का तत्काल जवाब दिया जाए। सूचना मिलने के बाद मौके की स्थिति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

विद्यार्थी विकास ही समाज की वास्तविक प्रगतिः डॉ जगदीश पाठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का साधन नहीं, अपितु समाज के समावेशी और सर्वांगीण विकास का मूल आधार है। इसी पुनीत भावना को साकार करते हुए 'मणिमाणिक फाउंडेशन' वडोदरा एवं 'माखन चाखन चेरिटेबल ट्रस्ट' गोकुल के संयुक्त तत्त्वावधान में प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में एक गरिमामयी एवं संवेदनापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्टेशनरी का वितरण किया गया, जिसे पाकर विद्यार्थियों के मुख पर निश्छल मुस्कान तैर उठी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं माखन चाखन चेरिटेबल ट्रस्ट की संचालिका प्रवीना तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि ₹समाज के वंचित और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के मुख्य प्रवाह से जोड़ना एवं उनकी अध्ययन यात्रा को सुगम बनाना हमारा नैतिक दायित्व है। संस्था द्वारा समाज कल्याण का यह अनुष्ठान विगत लंबे समय से निरंतर संचालित किया जा रहा है। ट्रस्ट का ध्येय छात्रों को केवल साधन उपलब्ध कराना नहीं, अपितु उनके सपनों को संबल प्रदान करना है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने आयोजक संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, उनके इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि मणिमाणिक फाउंडेशन एवं माखन चाखन चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया यह पावन कार्य अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय है। समाज के विभिन्न वर्गों से आने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए यह स्टेशनरी सामग्री उनके दैनिक पठन-पाठन में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इस प्रकार के सहयोग से बालकों में शिक्षा के प्रति उत्साह का संचार होगा। इस अवसर पर प्रवीना तिवारी, राहुल चौहान, ठाकुर सूर्यप्रताप सिंह, रामू शर्मा, पूरन सिंह एवं गोकुलेश पुजारी, ममता रानी, गीता सक्सेना, प्रेम चंद्र, डॉ जगदीश पाठक सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निष्ठापूर्वक अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रप्रेम और शिक्षा के प्रसार के संकल्प के साथ सौहार्दपूर्ण

महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता दे रहीं सभ्यता देवी वर्मा

गोयल और माला कॉलोनी में पहुंचकर सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा का ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जनसंपर्क और लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके समाधान की पहल करना चर्चा का विषय बना हुआ है।सोमवार को उन्होंने विकासखंड मरौरी की ग्राम पंचायत गोयल कॉलोनी एवं माला कॉलोनी पहुंचकर बड़ी संख्या में महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं की समस्याओं को पूरी गंभीरता और आत्मीयता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।सभ्यता देवी वर्मा ने जिस सहजता से महिलाओं के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं, उससे ग्रामीण महिलाओं में भी काफी उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की समस्याओं को समझने के लिए उनके बीच पहुंचना जरूरी है। जनप्रतिनिधि और जनता के बीच सीधा संवाद ही समस्याओं के बेहतर समाधान का रास्ता तैयार करता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की जायज समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ब्लॉक प्रमुख की इस पहल की महिलाओं ने सराहना करते हुए कहा कि उनकी बात को गंभीरता से सुनना और तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना सराहनीय कदम है।इस दौरान सभ्यता देवी वर्मा ने सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी महिलाओं के साथ साझा की। उन्होंने पात्र परिवारों और महिलाओं से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है और इसमें महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।ब्लॉक प्रमुख ने महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी रखें तथा जरूरतमंद परिवारों तक भी इसकी जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए उनका जनसंपर्क और संवाद लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर दुलाली सरकार, दीपाली सरकार, पूजा मित्रा, त्रिवेणी वेद, बबीता दास, उषा मिर्धा, निकिता कुमारी, ममता दास समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। महिलाओं ने ब्लॉक प्रमुख के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं और उनके द्वारा तत्काल संज्ञान लिए जाने की सराहना की। ग्रामीणों के बीच पहुंचकर समस्याएं सुनने और अधिकारियों से उनका समाधान कराने की सक्रिय कार्यशैली के चलते सभ्यता देवी वर्मा की जनप्रतिनिधि के रूप में सक्रियता और संवेदनशीलता की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रविन्द्र गुर्जर टेक्निकल हेड किये गये नियुक्त

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने बातया कि योग गुरु बाबा रामदेव द्वारा भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्थापना की गई है। बोर्ड के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 14 सितम्बर से 16 सितम्बर तक हरिद्वार उत्तराखण्ड स्थित आचार्यकुलम के खेल प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें खुनियांव ब्लॉक मे सहायक अध्यापक के पद पर तैनात रविन्द्र गुर्जर को टेक्निक हेड नियुक्ति किया गया है। जिला व्यायाम शिक्षक उपेन्द्र नाथ उपाध्याय ने बताया कि रविन्द्र गुर्जर इससे पहले भी खो-खो के अन्तर्राष्ट्रीय निर्णायक होने के साथ ही खो-खो के प्रथम विश्व कप में ऑफिसियल का दायित्व निभा चुके है। बेसिक शिक्षा विभाग में इन्हे सफल खेल आयोजक, त्वरित एवं स्पष्ट निर्णय के लिए जाना जाता है। रविन्द्र गुर्जर का चयन विभाग के लिए गौरव की बात है। रविन्द्र गुर्जर के चयन पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार जिला व्यायाम शिक्षक उपेन्द्र नाथ उपाध्याय, जिला व्यायाम शिक्षिका श्रीमती सीमा द्विवेदी, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, साधु शरण चौहान, बृजेश वर्मा, अनिल कुमार यादव, अजय बरनवाल, चन्द्रमणि पाण्डेय, रामविलास यादव, अकमल फारुकी, सुखबीर सिंह, राम शंकर पाण्डेय, अवधेश भारती, सुनील कुमार, मुस्तन शेरुल्लाह, राजकुमार यादव, केसरी नन्दन, राजेन्द्र प्रसाद, गुलाम हुसैन रिजवी, माहेश्वरी पाठक, अनिल कुमार पाण्डेय समस्त खेल प्रशिक्षक सभी शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

बिना हेलमेट वाहन न चलाने और नशे में ड्राइविंग से बचने का दिया सन्देश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

पकड़ी बाजार/सिद्धार्थनगर। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जीरो फैटलिटी डेज कार्यक्रम के तहत सोमवार को शोहरतगढ़ पुलिस की क्रिटिकल कॉरिडोर टीम ने उदय प्रताप इन्टर कॉलेज गोपालगंज खुरहुरिया (देवकलीगंज) में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देकर उनके पालन के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 अभिषेक महाजन के आदेश पर आयोजित अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी और क्षेत्राधिकारी यातायात राजकुमार सिंह के निर्देशन में टीम ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। शराब पीकर वाहन चलाने और तेज गति से वाहन चलाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ अपने माता-पिता, भाई और अन्य परिजनों को भी सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक करें। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने का सन्देश दिया। प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ शेषमणि पाण्डेय के नेतृत्व में चले अभियान में एसआइ हरेन्द्र शरण शुक्ल, कांस्टेबल कृष्णानन्द सिंह, सुदामा यादव और नीतीश यादव शामिल रहे।

फोन पर परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव सुन्ना निवासी एक महिला ने गांव के ही एक युवक पर बार-बार फोन कर परेशान करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।सोमवार को गांव सुन्ना निवासी रीना पत्नी प्रवीण अपने पति के साथ थाने पहुंची। रीना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव का एक युवक लगातार उसके मोबाइल फोन पर कॉल कर परेशान करता है। आरोप है कि युवक उसकी गतिविधियों और लोकेशन की जानकारी भी रखता है। विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देता है।पीड़िता और उसके पति ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

व्यापार मंडल में संजय गुप्ता महामंत्री, दीपक अग्रवाल कोषाध्यक्ष

सर्वसम्मति से मिली जिम्मेदारी, व्यापारियों ने किया स्वागत; विजय पाल सिंह 'विक्की' सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। माधोटांडा रोड स्थित अमोल ओकजन हॉल में बीती रात उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की नगर कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, व्यापारियों की समस्याओं और उनके हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। नगर अध्यक्ष हाजी मोहम्मद जाहिद खान की संस्तुति पर पूरनपुर सराफा संघ के अध्यक्ष संजय गुप्ता को नगर महामंत्री तथा प्रतिष्ठित दवा व्यापारी दीपक अग्रवाल को नगर कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।दोनों पदों पर सर्वसम्मति से मनोनयन होने के बाद संगठन के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने नवनियुक्त महामंत्री व कोषाध्यक्ष का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी, प्रदेश मंत्री विजय पाल सिंह 'विक्की', प्रदेश मंत्री नवीन अग्रवाल तथा जिला संगठन मंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी अशोक खंडेलवाल की मौजूदगी में दोनों पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपे गए। वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि संजय गुप्ता और दीपक अग्रवाल संगठन की जिम्मेदारियों का निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती से उठाएंगे। नगर अध्यक्ष जाहिद खान ने संगठन की एकजुटता को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि व्यापारियों के सुख-दुःख में संगठन मजबूती से उनके साथ खड़ा रहेगा। साथ ही व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने पर भी जोर दिया गया। नवनियुक्त महामंत्री संजय गुप्ता और कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने संगठन का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे और व्यापारी हितों के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे।कार्यक्रम के दौरान प्रदेश मंत्री विजय पाल सिंह 'विक्की' द्वारा करीब 70 साल बाद मकान खाली करने और चांदी की प्लेट में चाबी सौंपने के कदम की भी सराहना की गई। संगठन की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर राजेंद्र आर्य, सुलभ खंडेलवाल, गौरव पांडेय, विजय नागी, संजय पांडेय, राजू खंडेलवाल, सुधाकर पांडेय, अवनीश अवस्थी, फारुख आढ़ती, केशव चंद्र बजाज, सुरेंद्र अग्रवाल, विजय खुराना, वीरेंद्र जायसवाल, भुवनेश अग्रवाल, आशीष रस्तोगी, अमित खंडेलवाल, संदीप खंडेलवाल, सलमान खान, बलराम प्रजापति समेत बड़ी संख्या में व्यापारी और संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो व्यक्तियों की हुई मौत

वेलकम इंडिया/संजीव कुमार गुप्ता

कठेला/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र कठेला समय माता के पटना मोड़ के समीप एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक पर बैठे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों लाशों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। दोनों मृतक गणेश मूर्ति लेकर गांव जा रहे थे। वहीं घटना से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा गया है। आपको बता दें कि कठेला समय माता थानाक्षेत्र के देबियापुर निवासी 35 वर्षीय शिवकुमार उर्फ नन्दू एवं 60 वर्षीय गुरु प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र देवी प्रसाद अपने गांव से बजराभारी गणेश चतुर्थी के मौके पर गांव में स्थापित करने के गणेश मूर्ति लाने गये थे। मूर्ति लेकर जैसे ही वह पटना मोड़ पर पहुंची एक अज्ञात तेज गति के चारपहिया वाहन ने उनके बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक गिर गई और शिवकुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गम्भीर रूप से घायल गुरु प्रसाद को लोगों ने सीएचसी इटवा इलाज के लिए पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। वहीं चचाओं के मुताबिक वहां गैस सिलेंडर गिरा हुआ है, इसलिए चारपहिया वाहन किसी गैस एजेंसी का हो सकता है। पुलिस ने दोनों लाशों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। इस सम्बन्ध में कठेला समय माता एसओ नारायण लाल श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और चारपहिया वाहन की तलाश की जा रही है।

अधिवक्ता के भाई के साथ मारपीट जिला अस्पताल में भर्ती पांच पर मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददता

मुरादाबाद। मैनाठेर थाना क्षेत्र के गाँव मे पुरानी रंजिश के चलते एक युवक नूरानी पर कथित रूप से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में घायल युवक नूरानी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बताया गया कि 10 सितंबर की सुबह युवक नूरानी गांव के अड्डे की ओर जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। इसके बाद लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियार से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। लोगों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल को प्राथमिक सहायता के बाद जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मसरूर, रजा मोहम्मद, शफीकुल, अहमद रजा और शान मोहम्मद के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित का कहना है कि पुलिस मामले में सहयोग कर रही है, जबकि दूसरा पक्ष उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ग्राम नारवाड़ा निवासी घायल के भाई अधिवक्ता जुनैद ने बताया कि 10 तारीख को उनका भाई जो ट्रक ड्राइवर है, गाड़ी में काम कराने अड्डे पर जा रहा था। गाँव के चौक पर पुरानी रंजिश के चलते मसरूर,रजा मोहम्मद, शफीकुल, अहमद रजा, शान मोहम्मद ने हमला कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, हालत गंभीर है। पीड़ित पक्ष ने थाने में नामजद तहरीर दी है, पुलिस कार्रवाई कर रही है। पीड़ित ने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

भाजपा बूथ बैठक में संगठन से लेकर बिजली संकट तक उठे मुद्दे

वेलकम इंडिया संवाददता

न्यूरिया/पीलीभीत। न्यूरिया मंडल भाजपा की बूथ कार्यकर्ता बैठक में संगठन की मजबूती से लेकर क्षेत्र की बिजली समस्या तक विभिन्न मुद्दे उठे। बैठक में पहुंचे किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने मंडल अध्यक्ष महेंद्र पाल राजपूत, मंडल प्रभारी अमिताभ त्रिपाठी एडवोकेट सहित मंडल कमेटी, बूथ अध्यक्षों और कार्यकताओं का आभार जताया। देव स्वरूप पटेल ने कहा कि कई दिनों से खराब मौसम के बावजूद कार्यकताओं ने अथक मेहनत कर 9 सितंबर को न्यूरिया में आयोजित जनसभा को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता कार्यकताओं की मेहनत पर निर्भर करती है। अनुशासन, एकता और टीम भावना के साथ किए गए प्रयास से ही संगठन के कार्यक्रम सफल होते हैं।बैठक में भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि करीब एक सप्ताह से शाम के समय कई घंटे बिजली कटौती की जा रही है। पदाधिकारियों ने कहा कि शाम के समय बिजली आपूर्ति बाधित होने से आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर देव स्वरूप पटेल ने अधिशासी अभियंता विद्युत से फोन पर वार्ता कर शासन की नीतियों के अनुरूप क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने के लिए कहा।पटेल ने कहा कि बैठक में शामिल होने का अवसर मिला है और पार्टी के 17 सितंबर से लगातार एक माह तक चलने वाले सेवा सप्ताह कार्यक्रम में जहां भी आवश्यकता होगी, वह बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर सहयोग करेंगे।बैठक में भाजपा पदाधिकारियों ने सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही मंत्री परिषद में अपने दायित्वों के निर्वहन और ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता को भी सराहनीय बताया।इस दौरान ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष डालचंद वर्मा, आनंदपाल, बाबूराम, नरेश विश्वास, सतविंदर सिंह, प्रमोद कश्यप, नरेश कुमार, मुन्नालाल, आदित्य प्रकाश, महेश सोनकर, पूरन सिंह राठौर, विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जलकुंभी में फंसा मिला युवक, पुलिस टीम ने बचाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। मैगलगंज हाईवे किनारे रामपुर ता. महाराजपुर गांव के पास सोमवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक गहरे पानी के कुंड में जलकुंभी के बीच फंसा हुआ दिखाई दिया। युवक काफी देर तक पानी से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करता रहा। उसकी हालत देखकर आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए मदद के प्रयास शुरू किए।बताया जाता है कि हाईवे किनारे स्थित एक राइस मिल में काम करने वाले मजदूरों की नजर पानी के कुंड में फंसे युवक पर पड़ी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर युवक को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह जलकुंभी में बुरी तरह उलझा हुआ था। पानी की गहराई और जलकुंभी अधिक होने के कारण मजदूर उसे बाहर नहीं निकाल सके। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस के साथ फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम के जवान पानी में उतरे और काफी मशक्कत के बाद जलकुंभी के बीच फंसे युवक तक पहुंचे। जवानों ने युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। काफी देर तक पानी में रहने के कारण युवक की हालत बिगड़ चुकी थी और उसका शरीर अकड़ गया था।

पुलिस ने बिना देर किए युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर पहुंचाया। उसकी पहचान सुरेंद्र पुत्र चेतराम निवासी सिरसा के रूप में हुई है। सीएचसी में चिकित्सकों ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनीष राज शर्मा ने बताया कि युवक को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं कोतवाल पवन पांडे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। टीम ने युवक को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। समय रहते

पानी के छींटे पड़ने पर विवाद, आधा दर्जन लोगों ने दो युवकों को पीटा

कांधला। कस्बे के बाईपास मार्ग पर पानी के छींटे पड़ने को लेकर हुए विवाद में आधा दर्जन लोगों ने दो युवकों पर धारदार हथियारों और डंडों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घायलों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।कस्बा निवासी तालिब और सरवर बाइक से बाईपास मार्ग होते हुए मोहल्ला मुस्तफाबाद जा रहे थे। आरोप है कि सड़क पर जलभराव होने के कारण विपरीत दिशा से आ रहे एक रेहड़ा चालक से पानी के छींटे पड़ने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि रेहड़ा चालक ने अपने आधा दर्जन साथियों को मौके पर बुला लिया और दोनों युवकों पर धारदार हथियारों व डंडों से हमला कर दिया।शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए। परिजनों ने दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।घायलों ने अपना चिकित्सकीय परीक्षण के बाद घायलों ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

लिंक मार्ग पर जलभराव और पुलिया निर्माण में अनियमितता की भी उठी शिकायत, भाकियू ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवातददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता को सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की। यूनियन ने सबलापुर स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को कनेक्शन का सामान उपलब्ध न कराने और सामान देने के नाम पर कथित रूप से रुपये मांगने का आरोप लगाया है। यूनियन के जिला अध्यक्ष मंजीत सिंह ने बताया कि ग्राम लाह निवासी तारावती के नाम करीब आठ माह पहले उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन स्वीकृत हुआ था। आरोप है कि कनेक्शन स्वीकृत होने के बाद भी लाभार्थी को आवश्यक सामान नहीं दिया गया। इसे लेकर वह कई बार गैस एजेंसी के चक्कर लगा चुकी हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ज्ञापन के अनुसार, 8 सितंबर को तारावती दोबारा एजेंसी पहुंचीं। आरोप है कि इस दौरान कनेक्शन का सामान उपलब्ध कराने के लिए उनसे 3800 रुपये की मांग की गई। साथ ही अभद्र व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया गया। यूनियन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।इसके अलावा यूनियन ने शेरपुर से बिलहरी, केसरपुर और बालावनी होते हुए दुधिया खुर्द जाने वाले लिंक मार्ग पर जलभराव की समस्या भी उठाई। किसानों का कहना है कि मार्ग पर लंबे समय से पानी भरा रहने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है और खेतों में जलभराव से फसलों पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। पानी की निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था कराने की मांग की गई।ज्ञापन में पुलिया निर्माण के नाम पर धनराशि निकाले जाने के बावजूद मौके पर निर्माण कार्य नहीं होने का आरोप भी लगाया गया। यूनियन ने संबंधित कार्य और धनराशि की जांच कराकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। जिला अध्यक्ष मंजीत सिंह ने कहा कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो यूनियन जिला स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगी। ज्ञापन देने वालों में बलजीत सिंह, सर्वेश कुमार, रेशमा वर्मा, रामनरेश, अनिल कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, गुरजंट सिंह आदि शामिल रहे।

'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' से सशक्त होगा विकसित भारत का भविष्य

2047 के भारत की नींव आज आंगनवाड़ी केंद्रों में रखी जा रही, पोषण और बाल विकास में समुदाय की भागीदारी जरूरी : अन्नपूर्णा देवी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। 2047 के विकसित भारत का निर्माण आज के उन बच्चों से होगा, जिन्होंने अभी स्कूल की दहलीज पर कदम भी नहीं रखा है। एक स्वस्थ, आत्मविश्वासी और सक्षम वयस्क बनने की उनकी यात्रा जीवन के शुरूआती वर्षों में ही शुरू हो जाती है। खासतौर पर जीवन के पहले एक हजार दिन बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे में देशभर में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों और उनकी माताओं के लिए पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरे हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने लेख में कहा कि लाखों भारतीय बच्चों और उनकी माताओं के लिए उनके पड़ोस में मौजूद आंगनवाड़ी सबसे भरोसेमंद संस्थाओं में से एक है। स्कूल जाने से पहले ही बच्चों का आंगनवाड़ी केंद्र पर वजन और लंबाई मापी जाती है। उन्हें पौष्टिक भोजन मिलता है और खेल-खेल में सीखने का अवसर भी मिलता है। गर्भवती महिलाओं को भी यहां पोषण और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया जाता है। देश में करीब 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्र नागरिकों और सरकार के बीच संपर्क के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम कर रहे हैं। इनके माध्यम से 8.9 करोड़ से अधिक बच्चों, महिलाओं और किशोरियों तक सेवाएं पहुंच रही हैं। करीब 25.2 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं इसी समुदाय से आती हैं, जिसकी वे सेवा करती हैं। यही कारण है कि आंगनवाड़ी केंद्र हमेशा से स्थानीय

समुदाय का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। मार्च 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोषण अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र पोषण और बाल विकास को जनभागीदारी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय अभियान का महत्वपूर्ण आधार बन गए। 9 सितंबर 2026 को 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम के साथ नौवें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरूआत हुई। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता कायम है। हालांकि कोई भी आंगनवाड़ी केंद्र तभी पूरी तरह सशक्त हो सकता है, जब समुदाय उसे अपना केंद्र मानकर उसकी गतिविधियों में भागीदारी करे। विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार के प्रयासों से हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए 'सबका प्रयास' जरूरी है। पोषण को केवल सरकारी सेवा के रूप में देखने के बजाय इसे सामुदायिक जिम्मेदारी बनाना होगा। समुदाय की भागीदारी को अब केवल अपील तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि उसे संस्थागत रूप दिया जा रहा है। आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों के माध्यम से माता-पिता, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों को केंद्र की गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र बच्चे और महिला तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। सोशल ऑडिट के माध्यम से समुदाय आंगनवाड़ी की सेवाओं की समीक्षा कर सकता है, लाभार्थियों के अधिकारों की पुष्टि कर सकता है और अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है। इससे योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है। इस पूरी प्रक्रिया में माताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आंगनवाड़ी केंद्रों पर पूरक पोषण कार्यक्रम के तहत मिलने वाले गर्म पके भोजन और घर ले जाने वाले राशन की जानकारी मेनू बोर्ड पर प्रदर्शित की जा रही है। इससे महिलाओं और परिवारों को यह जानकारी मिलती है कि उनके बच्चों का क्या अधिकार है और उन्हें किस प्रकार का पोषण मिलना चाहिए। जानकारी और पारदर्शिता के माध्यम से समुदाय सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सक्रिय भागीदार बन रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों, सोशल ऑडिट और मेनू बोर्ड को सक्रिय करने के साथ तिथि भोज, भोजन चखने के कार्यक्रम और पौष्टिक व्यंजनों की विधियों के प्रदर्शन जैसे आयोजन भी किए जा रहे हैं।

गर्भावस्था से शुरू होती है स्वस्थ भविष्य की नींव

बच्चे के विकास की शुरूआत उसके जन्म से पहले ही हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान मां का पोषण बच्चे के स्वास्थ्य और विकास को सीधे प्रभावित करता है। इस वर्ष का पोषण माह प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के दस वर्ष पूरे होने के अवसर से भी जुड़ा है। योजना के माध्यम से गर्भवती और धात्री महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। एक दशक में योजना के तहत 4.65 करोड़ लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में सीधे 21,511 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। मिशन शक्ति के तहत योजना को और मजबूत किया गया है। दूसरी संतान के रूप में कन्या होने पर अतिरिक्त लाभ का प्रावधान भी किया गया है। अन्नपूर्णा देवी के अनुसार केवल आर्थिक सहायता देना पर्याप्त नहीं है। इसके साथ सही पोषण और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी जरूरी है, ताकि परिवार बेहतर निर्णय ले सकें। राजस्थान के 'कैश प्लस' मॉडल की समीक्षा में सामने आया कि आर्थिक सहायता को व्यवहार परिवर्तन संबंधी निरंतर संवाद से जोड़ने पर महिलाओं द्वारा इस राशि को भोजन पर खर्च करने का अनुपात 30 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हुआ। परिवार के पुरुष सदस्यों को भी इस संवाद में शामिल करने से मातृ पोषण से जुड़े भ्रम और भ्रांतियों को दूर करने में मदद मिली।

वार्ता के जरिए फिटनेस, वीएलटीडी, अधिकार पत्र और परमिट की समस्याओं का समाधान, बीटीटीए ने स्थगित की तालाबंदी

15 सितंबर को संभागीय परिवहन कार्यालय में प्रस्तावित था तालाबंदी कार्यक्रम

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। बनारस ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (बीटीटीए) ने मोटर मालिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के बाद 15 सितंबर को संभागीय परिवहन कार्यालय वाराणसी में प्रस्तावित तालाबंदी कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। सोमवार को जिलाधिकारी वाराणसी द्वारा गठित प्रतिनिधिमंडल और बीटीटीए पदाधिकारियों के बीच हुई वार्ता में फिटनेस, वीएलटीडी पैनिक हॉर्न, अधिकार पत्र और परमिट समेत ट्रांसपोर्टरों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं के समाधान पर सहमति बनी। बैठक में डीसीपी गोमती जोन के नेतृत्व में एसडीएम पिंडरा, आरटीओ

वाराणसी, एसीपी पिंडरा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और विभिन्न मुद्दों के समाधान का आश्वासन दिया। वार्ता के बाद एसोसिएशन ने प्रस्तावित तालाबंदी कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया।

बीटीटीए की ओर से जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, महामंत्री प्रकाश जायसवाल और प्रवक्ता शशि प्रताप सिंह वार्ता में शामिल हुए। पदाधिकारियों ने मोटर मालिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों और एसोसिएशन के बीच हुई बातचीत के बाद समस्याओं के समाधान का रास्ता साफ हुआ। बीटीटीए पदाधिकारियों ने कहा कि वार्ता के माध्यम से फिलहाल मोटर मालिकों की प्रमुख समस्याओं का समाधान हो गया है। यदि भविष्य में मोटर मालिकों के सामने किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो एसोसिएशन के सभी सदस्य एकजुट होकर जिला प्रशासन के समक्ष अपनी बात मजबूती से रखेंगे। एसोसिएशन ने कहा कि मोटर मालिकों के हितों से जुड़े मामलों में वह आगे भी संवाद के माध्यम से समाधान का प्रयास करता रहेगा।

पुलिसकर्मी की हत्या के दोषी नदीम को उम्रकैद, 50 हजार का जुमार्ना

बुलंदशहर। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के बाद एडीजे-01 न्यायालय ने पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला कर सिपाही को वाहन से कुचलकर हत्या करने के दोषी नदीम को आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

मामला वर्ष 2015 का है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली नगर क्षेत्र निवासी नदीम ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की और वाहन सिपाही प्रेम सिंह के ऊपर चढ़ा दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। मामले में कोतवाली देहात में धारा 302 और 307 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मॉनीटरिंग सेल की प्रभावी पैरवी के बाद 14 सितंबर 2026 को एडीजे-01 धीरेन्द्र कुमार ने नदीम को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की पैरवी राजीव नायक ने की। पुलिस ने इसे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत बड़ी सफलता बताया है।

हिन्दी दिवस पर रेलकर्मियों ने दिखाई हिन्दी की समझ, प्रश्नोत्तरी में 26 कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में हिन्दी पखवाड़े के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में हिन्दी दिवस के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित भारतेंदु सभा कक्ष में कर्मचारी वर्ग के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में मंडल के विभिन्न विभागों और स्टेशनों से आए 26 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के निर्देश तथा वरिष्ठ मंडल आंकड़ा एवं संसाधन प्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी आशुतोष पाण्डेय के नेतृत्व में 9 से 23 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत 14 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा समारोह-2026 के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से हिन्दी

भाषा, हिन्दी साहित्य, राजभाषा और सामान्य ज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। कर्मचारियों ने प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी ज्ञान क्षमता और हिन्दी के प्रति रुचि का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी के प्रति जागरूक करना और कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही ऐसे आयोजनों के माध्यम से कर्मचारियों में हिन्दी भाषा, साहित्य और सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। 23 सितंबर को आयोजित होने वाले समापन समारोह में मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान करेंगे।

खबर का असर: बरहाना में लम्पी से पीड़ित गाय का इलाज, अब पूरे गांव में होगा टीकाकरण

अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया पशु चिकित्सा विभाग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। बरहाना गांव में लम्पी बीमारी से पीड़ित पशुओं की समस्या को लेकर प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। खबर प्रकाशित होने के बाद पशु चिकित्सा विभाग की टीम सोमवार को गांव पहुंची और कपिल त्यागी के घर जाकर लम्पी से पीड़ित गाय का उपचार किया। विभाग की त्वरित कार्रवाई से पशुपालकों में राहत की उम्मीद जगी है। पशु चिकित्सक सुधीर कुमार ने बताया कि कपिल त्यागी की गाय की जांच के बाद उसका आवश्यक उपचार कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गांव में बीमारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए अब व्यापक स्तर पर पशुओं का टीकाकरण कराया जाएगा। इसके लिए विभाग की टीम गांव में

पहुंचकर पशुओं को टीका लगाएगी। ग्रामीणों के अनुसार लम्पी बीमारी को लेकर पशुपालकों में काफी चिंता बनी हुई थी। ऐसे में विभाग की टीम के गांव पहुंचने और संक्रमित पशु का उपचार किए जाने से लोगों ने राहत की सांस ली है। पूरे गांव में टीकाकरण शुरू होने से अन्य पशुओं को संक्रमण से बचाने और बीमारी के प्रसार पर प्रभावी अंकुश लगाने की उम्मीद है। पशुपालकों ने बीमारी की सूचना मिलने पर तत्काल उपचार और टीकाकरण की कार्रवाई शुरू करने के लिए पशु चिकित्सा विभाग का आभार जताया। विभाग ने पशुपालकों से भी पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल सूचना देने और पशुओं की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

इश्क-ए-रसूल से मामूर नदेसर में सजा यादगार नातिया मुशायरा

अदबी रवायत को मिला नया रंग, देर रात तक गूंजते रहे नातिया कलाम

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। मोहब्बत-ए-रसूल-ए-अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम वह जज्बा है, जिसकी कैफियत को अल्फाज में पूरी तरह बयान करना मुमकिन नहीं। इसी इश्क-ए-मुस्तफा और जज्बा-ए-ईमानी से सरशार होकर नदेसर में सीरत कमेटी और मानू रकत फाउंडेशन के तत्वावधान में यादगार नातिया मुशायरे का आयोजन किया गया। दीनी अहमियत और अदबी शान से सजी यह महफिल देर रात तक लोगों की तवज्जो का मरकज बनी रही। कार्यक्रम का आयोजन अब्दुल्लाह बिन गफ़्फार, हाजी जलालुद्दीन रूमी, मंजूर कासिम, मुहम्मद अली, सादिक अमीन तथा उनके अहल-ए-खाना और अहल-ए-महल्ला की खुसूसी कोशिशों से हुआ। शहर के समाजी व सियासी रहनुमा इस्तिकबाल कुरैशी की सरपरस्ती ने

कार्यक्रम को मजीद वकार बख्शा। मुशायरे की सबसे अहम खुसूसियत यह रही कि मौजूदा दौर में जब नातिया कार्यक्रमों में अक्सर नातख़्वानी का रंग शायरी पर गालिब दिखाई देता है, वहीं नदेसर की इस महफिल में नातिया शायरी और शायर को उसका असल मुकाम दिया गया। आयोजकों ने उस पुरानी अदबी रवायत को दोबारा ज़िंदा करने की कोशिश की, जिसमें शायर अपनी तख़्लीक के साथ मंच पर आता था और अपने कलाम को अपनी अदायगी से असरदार बनाता था। महफिल में शायरी को बुनियाद और तरन्नुम को उसकी खिदमतगार की हैसियत दी गई। आयोजकों का कहना था कि नात कहने वाले शायर और नात पेश करने वाले फनकार की अपनी अलग-अलग अहमियत है और दोनों को उनके हुनर के मुताबिक सम्मान मिलना चाहिए। मुशायरे की सदारत मारूफ इल्मी व दीनी शख्सियत आली जनाब गुलाम मोहिउद्दीन सिद्दीकी ने की। डॉक्टर अजहर सईद ने निजामत के फराइज खुश-उस्लूबी से अंजाम दिए। इससे पहले हजरत अल्लामा मौलाना शफी आलम ने सीरत-ए-तय्यिबा और इश्क-ए-रसूल के मौजू पर ईमान-अफरोज खिताब किया। उन्होंने सीरत-ए-पाक के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालते हुए मोहब्बत-ए-रसूल को जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने और नबी-ए-अकरम की तालीमात पर अमल करने की ताकीद की। महफिल में अहमद आजमी, जमजम रामनगरी, आलम बनारसी, निजाम बनारसी, शारिक फूलपुरी इलाहाबादी, अरसलान फूलपुरी, ओवैस चंदौलवी, अब्दुर्रहमान नूरी और अबू शहमा मुगलसराय समेत शोअरा-ए-कराम ने अपने नातिया कलाम पेश किए। अहमद आजमी ने पढ़ा कि 'जो मकाम है नबी का वह मकाम लिख रहा हूँ, सभी अंबिया का उनको मैं इमाम लिख रहा हूँ।' जमजम रामनगरी ने अपने कलाम में कहा कि 'तमाम लोग जिसे काइनात कहते हैं, हम उसको हुस्न-ए-नबी की जकात कहते हैं।' वहीं आलम बनारसी ने बारगाह-ए-रिसालत-मआब की अजमत को अपने कलाम का मौजू बनाया। निजाम बनारसी ने सुन्नत-ए-रसूल की पैरवी का पैगाम दिया, जबकि शारिक फूलपुरी ने मदीना-ए-मुनव्वरा की हाज़िरी की तमन्ना को अशआर में ढाला। दूसरे शोअरा ने भी अपने-अपने अंदाज में इश्क-ए-मुस्तफा का इजहार किया। महफिल में वरिष्ठ समाजसेवी इस्तिकबाल कुरैशी, मुहम्मद सैयद नदीम, हाजी इश्तियाक, डॉक्टर एम.जे. अकबर, डॉक्टर एहतेशामुल हक, शमीम रियाज, आदिल, एडवोकेट आकिब, एडवोकेट अबू हाशिम, सैफी खान, मुहम्मद अली, सादिक अमीन, मंजूर कासिम, जलालुद्दीन रूमी, यासीन गद्दी, गोलू और शमशाद कुरैशी समेत बड़ी संख्या में मुअज्ज़िजीन और अहल-ए-इलाका मौजूद रहे।

बरहाना के संजय त्यागी का लंबी बीमारी के बाद निधन, गांव में शोक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। बरहाना निवासी संजय त्यागी पुत्र रामसिंह का शुक्रवार को मेरठ के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, संजय त्यागी काफी समय से काले पीलिया की बीमारी से पीड़ित थे। उनका मेरठ, गाजियाबाद और एम्स में उपचार कराया गया, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो सका।

शुक्रवार को मेरठ के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को ही गमगीन माहौल में भगवानपुर गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में रिश्तेदार, ग्रामीण और परिचित शामिल हुए। शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने के लिए लोगों

का तांता लगा हुआ है। ग्रामीणों ने संजय त्यागी के निधन पर गहरा दुख जताया। लोगों ने कहा कि संजय त्यागी मिलनसार और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके निधन से गांव ने एक व्यक्ति को खो दिया है। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

शव को अग्नि जरूरी या वीआईपी को काशी विश्वनाथ का दर्शन जरूरी: प्रकाश जायसवाल

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से शव लेकर आने वाले लोगों के छोटे वाहनों को मैदागिन और गोदौलिया चौराहे से आगे जाने से रोके जाने की व्यवस्था का नेशनल इक्वल पार्टी ने विरोध किया है। पार्टी के महासचिव एवं प्रवक्ता प्रकाश जायसवाल ने प्रशासन से शव वाहन और शव लेकर आने वाले छोटे वाहनों के लिए मणिकर्णिका घाट तक सुगम एवं नियंत्रित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रकाश जायसवाल ने कहा कि यदि मैदागिन और गोदौलिया चौराहे से काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तक वीआईपी वाहनों के काफिले के आवागमन पर रोक नहीं है तो दूर-दराज से शव लेकर आने वाले छोटे वाहनों को मणिकर्णिका घाट के मोड़ तक जाने से क्यों रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार

पर्यटन या सुविधा का विषय नहीं, बल्कि व्यक्ति के अंतिम संस्कार और परिवार की भावनाओं से जुड़ा बेहद संवेदनशील मामला है। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से शव लेकर आने वाले परिजनों को रास्ते में वाहन रोककर शव को पैदल ले जाने के लिए मजबूर करना मानवीय दृष्टि से उचित नहीं है। अंतिम यात्रा के दौरान परिवार पहले ही मानसिक पीड़ा से गुजर रहा होता है। ऐसे में रास्ते में अतिरिक्त परेशानी खड़ी करने वाली व्यवस्था पर प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रकाश जायसवाल ने कहा कि प्रशासन को वीआईपी व्यवस्था और आम नागरिकों की अंतिम संस्कार संबंधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाते हुए मानवीय और व्यावहारिक व्यवस्था तैयार करनी चाहिए। शव वाहन अथवा शव लेकर आने वाले छोटे वाहनों के लिए मणिकर्णिका घाट तक नियंत्रित और सुगम आवागमन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिजनों को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार, वाराणसी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि इस गंभीर एवं संवेदनशील मामले का तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। उन्होंने कहा कि धार्मिक और पर्यटन व्यवस्थाओं के साथ-साथ अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए।

रामनगर पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार युवक को वापस मिले 97,250 रुपये

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार एक युवक को उसकी पूरी रकम वापस मिल गई। रामनगर पुलिस और साइबर हेल्प डेस्क की सक्रियता से पीड़ित के बैंक खाते से ठगी गई 97,250 रुपये की रकम वापस उसके खाते में पहुंच गई। अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर थाना क्षेत्र निवासी विकास यादव एक जुलाई 2026 को साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। साइबर जालसाजों ने उनके बैंक खाते से 97,250 रुपये निकाल लिए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलते ही विकास यादव ने बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर

शिकायत दर्ज कराई। समय रहते शिकायत दर्ज कराने का फायदा यह हुआ कि साइबर ठगी की रकम बैंक स्तर पर ही होल्ड कर दी गई। इसके बाद पीड़ित ने रामनगर थाने पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा से संपर्क किया और पूरे मामले की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा ने तत्काल रामनगर थाने की साइबर हेल्प डेस्क टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने पीड़ित की सहायता करते हुए आवश्यक कानूनी और बैंकिंग प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया। पुलिस की पैरवी और समय पर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप ठगी गई पूरी रकम पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई। 97,250 रुपये वापस मिलने के बाद विकास यादव के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने इस कार्रवाई के लिए प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा, साइबर हेल्प डेस्क टीम और वाराणसी पुलिस का आभार जताया। पीड़ित ने कहा कि समय पर शिकायत दर्ज कराने और पुलिस की तत्परता से उनकी मेहनत की कमाई वापस मिल सकी। प्रभारी निरीक्षक रामनगर संजय मिश्रा ने लोगों से अपील की कि साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं और किसी भी तरह की देरी किए बिना तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की सूचना जितनी जल्दी दी जाएगी, ठगी गई रकम को रोकने और वापस कराने की संभावना उतनी ही अधिक रहती है।

आरकेजीआईटी में नवाचार का जोश, 1000 से अधिक छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

इंटरनल हैकाथॉन (स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन) में 181 टीमों ने लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल प्रौद्योगिकी संस्थान (आरकेजीआईटी) में इंटरनल हैकाथॉन (स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन) का आयोजन उत्साह, ऊर्जा और नवाचार की भावना के साथ किया गया। संस्थान में आयोजित इस हैकाथॉन में 181 टीमों के लिए 1086 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। विद्यार्थियों ने विभिन्न वास्तविक जीवन की समस्याओं के तकनीकी एवं रचनात्मक समाधान प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हैकाथॉन का उद्देश्य विद्यार्थियों को समस्या-समाधान, नवाचार, टीम भावना और तकनीकी कौशल के माध्यम से नए एवं प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करना रहा। प्रतिभागी टीमों ने अपने प्रोजेक्ट एवं विचार निर्णायक मंडल तथा मार्गदर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किए।

सभी प्रतिभागियों को नई सोच के साथ आगे बढ़ने तथा तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। इस संपूर्ण आयोजन का मार्गदर्शन डॉ. रामेंद्र सिंह, डीन एक्रेडिटेशन एवं डॉ. अमित सिंघल, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वारा किया गया। कोऑर्डिनेटर की भूमिका डॉ. विनीत श्रीवास्तव ने निभाई।

उन्होंने प्रतिभागी टीमों का मार्गदर्शन करते हुए उनके प्रोजेक्ट्स को बेहतर बनाने में सहयोग किया और छात्रों को हैकाथॉन की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन को सफल बनाने में फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. पवन गोयल, श्रीमती शालू त्यागी, श्री संदीप कुमार, श्री अभिषेक सिंह, श्रीमती श्रुति सक्सेना, श्रीमती शर्मिला एवं श्री सरल गर्ग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के उपाध्यक्ष अक्षत गोयल, कार्यकारी निदेशक डॉ. डी.के. चौहान, निदेशक प्रो. (डॉ.) बी.सी. शर्मा एवं डीन एकेडमिक्स डॉ. आर.के. यादव ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों, संकाय सदस्यों, समन्वयकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम ने छात्रों की रचनात्मकता, तकनीकी क्षमता और टीम भावना को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन जैसे राष्ट्रीय स्तर के मंच के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरकेजीआईटी का यह प्रयास विद्यार्थियों में नवाचार की संस्कृति को मजबूत करने और देश की तकनीकी प्रगति में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सहकारी गन्ना विकास समिति में आठ दिवसीय सर्वे सटटा प्रर्दशन मेले का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सहकारी गन्ना विकास समिति लि० मोदीनगर द्वारा समिति के कृषको को अपने गन्ना सटटे से सम्बन्धित समस्या/कमियों को सही कराने हेतु अन्तिम अवसर देते हुए समिति कार्यालय में आठ दिवसीय सर्वे सटटा प्रर्दशन मेले का आयोजन किया गया है।जिसका शुभारम्भ राजकुमार चौधरी (राजन चौधरी) अध्यक्ष, सहकारी गन्ना विकास समिति लि० मोदीनगर, संचालक सदस्य गन्ना समिति मोदीनगर, सुशील कुमार, जिला गन्ना अधिकारी गाजियाबाद, सुमित पाण्डेय, सचिव प्रभारी सहकारी गन्ना विकास समिति लि० मोदीनगर, सम्बन्धित चीनी मिलो के अधिकारी एवं क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियो की उपस्थिति में सोमवार को विधायिका डॉ० मंजू सिवाच विधान सभा क्षेत्र मोदीनगर के द्वारा फीता काट कर किया गया। समिति के सचिव सुमित पाण्डेय ने बताया कि सहकारी गन्ना विकास समिति लि० मोदीनगर कार्यालय में आठ दिवसीय सर्वे सटटा प्रदर्शन मेंले में कृषक भाई अपने प्रारम्भिक कलैण्डर का अवलोकन कर कलैण्डर में पायी जाने वाली कमियो को सटटा प्रदर्शन में सही करा सकते है।सर्वे सटटा प्रदर्शन में प्राप्त आपत्तियो का निस्तारण करने के बाद डाटा लॉक कर दिया जायेगा।जिसके बाद किसी भी प्रकार का संशोधन स्वीकार नही किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी (राजन चौधरी) एवं सचिव प्रभारी सुमित पाण्डेय द्वारा कृषको से सर्वे सटटा प्रर्दशन मेले का अधिकाधिक लाभ उठाने एवं आगामी पेराई सत्र 2026-27 में गन्ना आपूर्ति से जुडी समस्याओं से बचने की अपील की है।सटटा प्रदर्शन मेले के शुभारम्भ के अवसर पर सतेन्द्र तोमर, अमित कुमार जिला उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, किसान नेता लोकेन्द्र कुमार, विनय कुमार एवं समिति क्षेत्र के गणमान्य कृषक मौजूद रहे।

सर्विस रोड के निर्माण हेतु बीच में आ रहे आवास को हटवाया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उपजिलाधिकारी मोदीनगर श्रीमती कोमल पंवार के निर्देशन में सोमवार को नायब तहसीलदार मोदीनगर मुकेश शर्मा, क्षेत्रीय लेखपाल एवं सेतु निगम विभाग द्वारा जनपद गाजियाबाद के मोदीनगर में राज चौपला के निकट गाजियाबाद-सहारनपुर रेलवे लाइन के किमी0-48/14-15 में सम्पार संख्या-15सी (स्पेशल)/2टी के स्थान पर 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु निर्माण हेतु वाहनों के सुगमता पूर्वक आवागमन हेतु सर्विस रोड के निर्माण हेतु बीच में आ रहे प्रोफेसर आवास एवं अन्य आवास को हटवाया गया है।

अपनों की बात अपनों के साथ' कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ.सत्यपाल सिंह ने कार्यकताओं से किया सीधा संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। 'अपनों की बात अपनों के साथ' कार्यक्रम के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं बागपत के पूर्व सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह मोदीनगर पहुंचे। कार्यक्रम में पहुंचने पर कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने उनका फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान डॉ. सत्यपाल सिंह ने कार्यकताओं और स्थानीय लोगों से सीधे संवाद किया।

उन्होंने लोगों की समस्याओं और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को गंभीरता से सुना। लोगों ने सड़क, विकास कार्य, प्रशासनिक समस्याओं समेत क्षेत्र से जुड़ी कई समस्याएं उनके सामने रखीं। डॉ. सत्यपाल सिंह ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा बताई गई समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों से वार्ता कर जल्द से जल्द निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने भी संगठन और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। डॉ. सत्यपाल सिंह ने कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ जनता के बीच सक्रिय रहने और लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की बात कही।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामकिशोर अग्रवाल, सहकारी बैंक के अध्यक्ष किशन वीर सिंह, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, वरिष्ठ नेता डॉक्टर पवन सिंघल, पूर्व सांसद प्रतिनिधि विनोद गोस्वामी,स्वदेश जैन,हिमांशु सिंघल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया।

जमीन लिए बिना इंद्रापुरम विस्तार योजना का फेज-1 लॉन्च करने पर भड़के किसान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कनावनी गांव के किसानों का अपनी मांगों को लेकर चल रहा धरना सोमवार को 32वें दिन भी जारी रहा। किसान जमीन और राजस्व अभिलेखों में उनके नाम बहाल किए जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। किसानों का आरोप है कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा इंद्रापुरम विस्तार योजना के फेज-1 को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है, जबकि उनकी जमीन का विधिवत अधिग्रहण अभी तक नहीं हुआ है। किसानों ने कहा कि भूमि लिए बिना उस पर लेआउट तैयार कर योजना को आगे बढ़ाना कानूनन गलत है। उन्होंने इसे न्यायालय के आदेशों की अवहेलना बताते हुए कहा कि जब तक भूमि संबंधी कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक योजना का लेआउट तैयार कर फेज-1 लॉन्च नहीं किया जाना चाहिए। किसान चतर सिंह नागर और श्रीचंद नागर ने कहा कि जमीन किसानों के पास है और वे अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखेंगे।

बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रविंदर त्यागी का स्वागत किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रविंदर त्यागी ने धुले, महाराष्ट्र में आयोजित महाराष्ट्र स्टेट लेवल मीटिंग में भाग लिया। इस अवसर पर धुले सेंटर के चेयरमैन इंजीनियर अक्षय, पास्ट वाइस प्रेसिडेंट सुनील मुंडाडा, महाराष्ट्र स्टेट के स्टेट चेयरमैन महेश मेंडा वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा धुले सेंटर के सभी पदाधिकारियों द्वारा बी ए आई के अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया। बैठक में धुले एवं महाराष्ट्र के कॉन्ट्रैक्टर्स और बिल्डर्स से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

विशेष रूप से सरकारी निर्माण कार्यों के लगभग 1 लाख करोड़ के लंबित भुगतान का मुद्दा एक गंभीर चिंता के रूप में सामने आया। इसके साथ ही निर्माण उद्योग से जुड़े अन्य तकनीकी, प्रशासनिक एवं नीतिगत विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ने धुले सेंटर और महाराष्ट्र के सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि उनके अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए जहाँ भी मेरे स्तर से जो भी संभव होगा, मैं पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ सहयोग एवं समर्थन प्रदान करूँगा। उन्होंने महाराष्ट्र स्टेट चेयरमैन महेश मेंडा, धुले सेंटर के चेयरमैन इंजीनियर अक्षय, पास्ट वाइस प्रेसिडेंट श्री सुनील मुंडाडा तथा धुले सेंटर के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

हिंदी दिवस एवं गणेश चतुर्थी पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। टी.आर.एम.पी.बी.ए.एस. कन्या इंटर कॉलेज में हिंदी दिवस एवं गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री गणेश के पूजन एवं माल्यार्पण से हुई। पूजन विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता शर्मा एवं समाजसेवी श्रीमती राधिका माहेश्वरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के बीच हिंदी विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराई गई। विद्यालय के चारों सदनों की छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में साइंस सदन की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता लायंस क्लब मोदीनगर के सौजन्य से आयोजित की गई। क्लब की अध्यक्षा श्रीमती वर्षा गुप्ता, कोषाध्यक्षा श्रीमती एक्ता अग्रवाल एवं श्रीमती अपराजिता शर्मा ने विजेता छात्राओं को ट्रॉफी तथा सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पेन देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। अंत में प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता शर्मा ने सभी अतिथियों, लायंस क्लब के पदाधिकारियों एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम उत्साह और खुशी के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया हिंदी दिवस

विद्यार्थियों ने लिया भाषा संरक्षण का संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, प्रेम एवं गौरव की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया, जहाँ पोस्टर और भाषण के माध्यम से उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व, उपयोगिता तथा उसकी समृद्ध विरासत को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी, निर्देशिका श्रीमती राधिका माहेश्वरी एवं गौरव माहेश्वरी ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाली अत्यंत सशक्त भाषा है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने तथा इसके प्रचार-प्रसार में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वहीं विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव की भावना रखने तथा हिंदी को अपने व्यवहार एवं दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एकजुट होकर हिंदी भाषा के सम्मान, संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। अध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से यह हिंदी दिवस समारोह अत्यंत सफल, गरिमामय एवं प्रेरणादायी रहा।

स्कूटी से स्कूल पहुंचे मंत्री सुनील शर्मा, बच्चों को पढ़ाया भूगोल

मंत्री बने शिक्षक, बच्चों की कक्षा में पहुंचे सुनील शर्मा

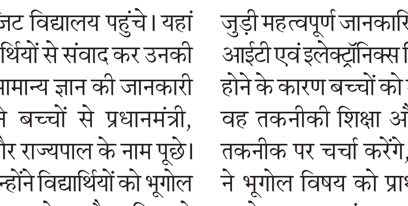

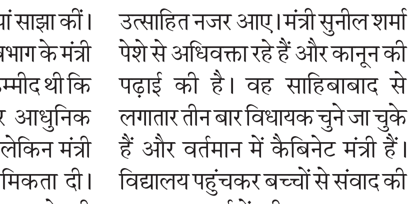

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रदेश सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा सोमवार को बिना किसी तामझाम के स्कूटी से करेहड़ा स्थित कंपोजिट विद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सामान्य ज्ञान की जानकारी ली। मंत्री ने बच्चों से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम पूछे। इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों को भूगोल विषय पढ़ाते हुए देश और दुनिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री होने के कारण बच्चों को उम्मीद थी कि वह तकनीकी शिक्षा और आधुनिक तकनीक पर चर्चा करेंगे, लेकिन मंत्री ने भूगोल विषय को प्राथमिकता दी। उनके सहज अंदाज से बच्चे भी उत्साहित नजर आए। मंत्री सुनील शर्मा पेशे से अधिवक्ता रहे हैं और कानून की पढ़ाई की है। वह साहिबाबाद से लगातार तीन बार विधायक चुने जा चुके हैं और वर्तमान में कैबिनेट मंत्री हैं। विद्यालय पहुंचकर बच्चों से संवाद की यह पहल चर्चा में रही।

शराब के लिए रुपये मांगना पड़ा भारी, चाचा-बाबा ने कर दी अश्वनी की हत्या

नन्दग्राम पुलिस ने हत्याकांड का किया खुलासा, दांव-बल्ली और रक्तरंजित तकिये का कवर बरामद

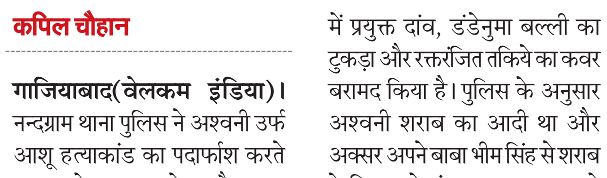

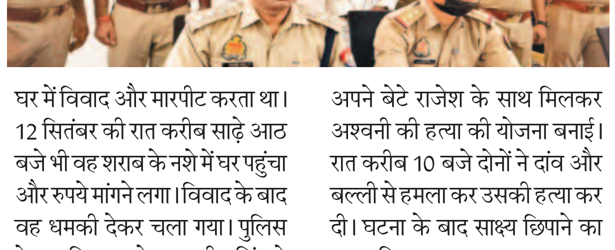

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। नन्दग्राम थाना पुलिस ने अश्वनी उर्फ आशू हत्याकांड का पदार्फाश करते हुए उसके चाचा राजेश और बाबा भीम सिंह को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दांव, डंडेनुमा बल्ली का टुकड़ा और रक्तरंजित तकिये का कवर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार अश्वनी शराब का आदी था और अक्सर अपने बाबा भीम सिंह से शराब के लिए रुपये मांगता था।लगातार रुपये देने के चलते भीम सिंह पर कर्ज हो गया था।रुपये नहीं मिलने पर अश्वनी घर में विवाद और मारपीट करता था। 12 सितंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे भी वह शराब के नशे में घर पहुंचा और रुपये मांगने लगा।विवाद के बाद वह धमकी देकर चला गया। पुलिस के मुताबिक इसके बाद भीम सिंह ने अपने बेटे राजेश के साथ मिलकर अश्वनी की हत्या की योजना बनाई। रात करीब 10 बजे दोनों ने दांव और बल्ली से हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया गया।

ADCP के आदेश भी बेअसर! FIR 0448 में आरोपियों पर किसका 'हाथ'

दो महीने बाद भी गिरफ्तारी से क्यों बचा रही कविनगर पुलिस?

वेलकम इंडिया संवाददाता

- थाना कविनगर की FIR 0448 में दो महीने बाद भी आरोपी गिरफ्त से बाहर–ADCP के दो बार निर्देश के बावजूद गिरफ्तारी क्यों नहीं?
- पीड़ित का गंभीर आरोप–विवेचक की निष्पक्षता पर संदेह; मोहाली में दबिश के नाम पर टैक्सी कराई, गोरखपुर का रेलवे टिकट भी कराया जबकि कोई आरोपी गोरखपुर का नहीं!

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में अपराध और अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर लगातार जोर देते हैं, लेकिन गाजियाबाद के थाना कविनगर में दर्ज FIR संख्या 0448 की विवेचना को लेकर पीड़ित द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप पुलिस व्यवस्था और उसकी जवाबदेही पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

पीड़ित का कहना है कि मुकदमा दर्ज हुए करीब दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। आरोप है कि ADCP द्वारा दो बार गिरफ्तारी के निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। पीड़ित ने वर्तमान विवेचक (I.O.) की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता पर भी गंभीर संदेह जताया है।

उसका आरोप है कि विवेचक ने स्पष्ट रूप से गिरफ्तारी करने से इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश के बावजूद आरोपी खुले घूम रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल कथित दबिश को लेकर उठ रहा है। पीड़ित के अनुसार मोहाली में दबिश के नाम पर उससे टैक्सी का खर्च कराया गया और गोरखपुर जाने के लिए रेलवे टिकट भी कराया गया, जबकि FIR में कोई भी आरोपी गोरखपुर का रहने वाला नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर गोरखपुर जाने की आवश्यकता क्यों पड़ी और इस कथित दबिश का उद्देश्य क्या था?

पीड़ित ने आशंका जताई है कि वर्तमान विवेचक के रहते निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं हो पाएगी। उसने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कराने, विवेचना किसी अन्य निष्पक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी को सौंपने तथा ADCP के निर्देशों का पालन न होने की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

अब सवाल यह है–जब वरिष्ठ अधिकारी दो बार गिरफ्तारी के निर्देश दे चुके हैं, तो आखिर कौन-सी वजह है जो आरोपियों की गिरफ्तारी में बाधा बनी हुई है?

कुशवाहा समाज ने श्रद्धा-उत्साह से मनाया कुश-लव जन्मोत्सव

श्रीराम परिवार पूजन संग मनाया कुश-लव जन्मोत्सव

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। वेव सिटी सेक्टर-4 स्थित मकान नंबर 384 में अखिल भारतीय कुशवाहा क्षत्रिय फाउंडेशन के तत्वावधान में श्रीराम परिवार पूजन एवं कुश-लव जन्मोत्सव समारोह श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रोहिणी दिल्ली से आए वरिष्ठ समाजसेवी भारत सिंह कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता ठाकुर सीताराम कुशवाहा ने की। मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने समाज को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन के राष्ट्रीय महासचिव ठाकुर देवकीनंदन राजावत ने किया। इस दौरान मनोज सिंह, थान सिंह कुशवाहा, अरविंद कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, गणेश कुशवाहा, ज्योति कुशवाहा, कविता वर्मा सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। श्रीराम कथा मंचन में कलाकारों ने राम, सीता, लव-कुश और हनुमान की भूमिकाएं निभाईं। आयोजकों ने बताया कि टीम कई वर्षों से आयोजन कर रही है।

डीएम की पहल से चार माह की तनख्वाह मिली, मकान का कब्जा पाकर महिला ने बांटी मिठाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनीं। भूमि एवं संपत्ति पर कब्जे, राजस्व विवाद, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड और जलापूर्ति समेत विभिन्न मामलों में शिकायतें मिलीं। डीएम ने अधिकारियों को निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में रीना को अपने मकान पर कब्जा मिलने की खुशी हुई तो उन्होंने डीएम का आभार जताते हुए सभी को काजू कतली खिलाई। वहीं सिक्योरिटी गार्ड जयपाल की चार माह से रुकी तनख्वाह डीएम के निर्देश पर कुछ ही दिनों में मिल गई। उन्होंने भी डीएम का धन्यवाद किया। मोदीनगर निवासी वृद्ध धर्मवीर ने अपनी समस्याएं बताईं। डीएम ने उनकी पुत्री के विवाह के लिए सरकारी योजना का लाभ दिलाने तथा पढ़ाई कर रहे बेटे को रोजगार दिलाने में सहयोग का भरोसा दिया। यह सुनकर वृद्ध की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। डीएम ने कहा कि राजस्व मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। शिकायतों के निस्तारण के बाद अधिकारियों से फीडबैक भी लिया जाएगा। इस दौरान एडीएमई ज्योति मौर्या, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी समेत अधिकारी मौजूद रहे।

संजीव शर्मा के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब, बधाई देने पहुंचे हजारों लोग

स्नेह, आशीर्वाद और शुभकामनाओं से सराबोर हुआ संजीव शर्मा का जन्मदिन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर विधायक संजीव शर्मा के जन्मदिन पर सोमवार को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। देर रात से ही विधायक आवास पर बड़ी संख्या में समर्थक और शुभचिंतक पहुंचने लगे। सुबह होते-होते शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों समेत आसपास के जनपदों से भी लोग शुभकामनाएं देने पहुंचे। जानकी भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखते ही बना। अपने लोकप्रिय विधायक को जन्मदिन की बधाई देने के लिए लोग कतार में खड़े नजर आए। महंत नारायण गिरी महाराज, पंडित महेश वशिष्ठ, महंत अभिषेक गुरु, सांसद अतुल गर्ग, पूर्व राज्यमंत्री बालेश्वर त्यागी, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, मेयर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व विधायक रूप चौधरी, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, अजय शर्मा, मास्टर अमरदत्त शर्मा, शिक्षाविद राम अवतार जिंदल, संजीव गुप्ता और देवेंद्र हितकारी समेत अनेक गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दीं। संजीव शर्मा ने सभी शुभचिंतकों और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि जनता का स्नेह और आशीर्वाद उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने गाजियाबाद के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

आयकर विभाग का 'फैसिलिटेशन फर्स्ट' पर जोर, करदाता-केंद्रित व्यवस्था का संकल्प

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। आयकर विभाग गाजियाबाद की ओर से आयकर अधिनियम, 2025 एवं आयकर नियम, 2026 के तहत अनुपालन विषय पर विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें करदाताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कर पेशेवरों, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों तथा मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नए कर प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर कर अनुपालन को सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना रहा।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा करण, मुख्य आयकर आयुक्त शेफाली स्वरूप और प्रधान आयकर आयुक्त दीपिका मित्तल समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। तकनीकी सत्र में अग्रिम कर, टीडीएस अनुपालन, गैर-लाभकारी संस्थाओं की छूट तथा छोटे करदाताओं की विदेशी परिसंपत्तियों के प्रकटीकरण से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी गई।

शेफाली स्वरूप ने कहा कि नए प्रावधानों का उद्देश्य करदाता-अनुकूल व्यवस्था बनाकर स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना है। उन्होंने 'पहले सुविधा–Facilitation First। दृष्टिकोण पर जोर दिया। अपर्णा करण ने सरल, पारदर्शी और करदाता-केंद्रित कर प्रशासन के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए।

ऑपरेशन प्रहार में नशे के तस्कर पर शिकंजा, 1.1 किलो गांजा बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर को पुलिस टीम ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के दौलतनगर में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान समीर उर्फ काला पुत्र साजिद, निवासी बुद्ध बाजार, पूजा कॉलोनी, ट्रोनिका सिटी को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1.100 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना ट्रोनिका सिटी में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी से पूछताछ की जा रही है और गांजे की तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

लोनी में भू-माफियाओं पर शिकंजा, अवैध निर्माण किया ध्वस्त

सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर, 250 वर्गमीटर भूमि कब्जामुक्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। लोनी तहसील क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के आदेश और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग, नगर पालिका परिषद लोनी और पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम लोनी चकबंदी बाहर स्थित खसरा संख्या 2118 में अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। प्रशासन के अनुसार उक्त भूमि पर कल्लू बेग द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान करीब 250 वर्गमीटर सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। अभियान के दौरान राजस्व निरीक्षक अफरोज त्यागी, लेखपाल सुजीत कुमार व सरित कुमार, नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक संत कुमार समेत पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। एसडीएम दीपक सिंघनवाल ने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। लोनी तहसील क्षेत्र में ऐसे कब्जों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मुरादनगर में अवैध कॉलोनी पर चला GDA का बुलडोजर, सड़कें और दुकानों के निर्माण ध्वस्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुरादनगर क्षेत्र में अवैध कॉलोनी और अवैध निर्माण के खिलाफ जीडीए ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में ग्राम रोरी स्थित मंगल विहार कॉलोनी के पीछे खसरा संख्या 922, 923 व 924 में करीब 17 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित करने के लिए किए जा रहे मिट्टी भराई और सड़क निर्माण के कार्य को रुकवाया गया। मौके पर स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। जीडीए टीम ने अवैध कॉलोनी में बनाई गई आरसीसी सड़कें, बाउंड्रीवाल और प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा महेश मार्ग पर किए गए अवैध दुकानों के निर्माण पर भी बुलडोजर चलाया गया। ग्राम बेगमाबाद-बुदाना में खसरा संख्या 884 पर करीब 200 वर्ग मीटर क्षेत्र में किए जा रहे निर्माण को भी तत्काल बंद कराया गया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकर्ताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति नियंत्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। जीडीए ने स्पष्ट किया कि आगामी माह में भी अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग अभियान जारी रहेगा।